केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 170 सोमवार 13 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नवागत एसपी ने बनाया संवाद, दिये निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने रविवार को पुलिस लाईन के सभागार कक्ष में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारी, शाखा प्रभारी का परिचय प्राप्त किया और शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

प्रियंका गांधी के जन्म दिन पर मरीजों में किया फल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वायनाड की सांसद और कांग्रेस पार्टी की पूर्व महासचिव प्रियकां गांधी का जन्मदिन एवं स्वामी विवेकानंद की जयंती कांग्रेस पार्टी के कार्यालय पर मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने प्रियंका गांधी की नेतृत्व क्षमता और पार्टी में उनके योगदान पर अपने विचार साझा किये। कार्यालय परिसर में पौधरोपण और जिला महिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण कर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

भाजपा छोड़कर आये संदीप श्रीवास्तव, राहुल चौधरी ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन किया। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने उन्हे फटका पहनाकर पार्टी में शमिल किया। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही नही समूचा देश प्रियंका गांधी की नेतृत्व क्षमता का कायल है। उनके रूप में भारत को दूसरी इंदिरा मिली है। निश्चित रूप से आने वाला 10 साल भारतीय राजनीति के लिये बेहद महत्वपूर्ण होगा। उन्होने प्रियंका गांधी को देश की जरूरत बताया। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा देश कांग्रेस के हाथों में फिर देश की बागडोर देना चाहता है। झूठ बोलकर और जनता को गुमराह कर ज्यादा समय तक कोई पार्टी में सत्ता में नही रह सकती। भारत के लोकतंत्र ने जनता के हाथों में यह व्यवस्था दी है कि संविधान को कमजोर करने वाली तथा जनता में नफरत फैलाकर उन्हे बांटने का काम करने वाली सरकारों को उखाड़ फेंके।

पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डा. आलोक रंजन ने कहा प्रियंका गांधी एक दिन देश की सबसे बड़ी नेता होंगी। उन्हे राजनीतिक अनुभव विरासत में मिला है। देश की जनता उम्मीद भरी निगाहों से उनकी ओर देख रही है। वह दिन दूर नही जब उनका प्रभाव कई गुना बढ़ेगा और महिलायें सम्मान के साथ जी सकेंगी तथा संविधान विरोधी ताकतें हाशिये पर होंगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विनय तिवारी, रामपूरन चौधरी, विजय चौधरी, जयप्रकाश चौबे, शंकर यादव, नवदेश्वर शुक्ल, बृजेश पाण्डेय, सुरेन्द्र मिश्रा, चन्द्रशेखर वर्मा, आशुतोष पाण्डेय, सूरज सोनी, शौकत अली नन्हू, राहुल चौधरी, सुनील पाण्डेय, राकेश पटेल, फिरोज खान, अलीम अख्तर आदि मौजूद रहे।

बारिश से बढ़ी ठंड

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार की सुबह छिटपुट बरसात के बीच बादलों की ओट में सूर्य देव छिपे रहे। हवाओं के चलते ठंड बढ़ गई है। रविवार सुबह धुंध भी छाया रहा। कुछ जगहों पर कोहरा भी दिखा। ठंडी हवा के कारण सुबह बहुत सर्द रही। हालांकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहा। लोगों ने अलाव का सहारा लिया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में लोग अलाव जलाकर बैठे दिखे। रविवार सुबह सड़कों पर लोगों की आमद कम दिखी।

भारत ने सीमा पर बढ़ाई सुरक्षा तो भड़क गया बांग्लादेश, उच्चायुक्त को तलब किया

नई दिल्ली (आभा)। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार हटने के बाद से ही भारत के साथ तनातनी बढ़ती ही जा रही है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर होने वाले हमले को लेकर भारत ने कई बार आपत्ति जाहिर की है। वहीं अब सीमा पर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश और बीएसफ के बीच तनाव बढ़ गया है। आम तौर पर भारत और बांग्लादेश की सरहद पर शांति रहती थी। हालांकि घुसपैठ, कंटीले तारों की बाड़ की वजह से तनाव की खबरें। इसी बीच बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने सीमा पर तनाव को लेकर भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया है।

यह घटनाक्रम बांग्लादेश द्वारा यह आरोप लगाए जाने के कुछ घंटों बाद सामने आया है कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए

भारत–बांग्लादेश सीमा पर पांच स्थानों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है। वर्मा को दोपहर लगभग तीन बजे मंत्रालय में प्रवेश करते देखा गया। विदेश सचिव जशीम उद्दीन के साथ उनकी बैठक लगभग 45 मिनट तक चली। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से हालांकि चर्चा के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन अधिकारियों ने पुष्टि की कि उच्चायुक्त को तलब किया गया है।

बीते दिनों बीजीबी के एक कमांडर ने दावा किया था कि बांग्लादेशी सेना ने गोडालिया नदी के किनारे पांच किलोमीटर के इलाके पर कब्जा कर लिया है। इस बयान के बाद तनातनी की स्थिति बन गई थी। इसके बाद बीजीबी और बीएसएफ के अधिकारियों की फ्लैग मीटिंग बुलाई गई। बीएसएफ ने कहा कि बीजीबी के अधिकारी ने भ्रामक बयान दिया था। बीएसएफ ने उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया।

कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सीमा पर बांग्लादेश की गतिविधियां संदिग्ध हैं। वहीं बीएसएफ बांग्लादेशी सीमा पर बाड़ का काम पहले से ही कर रही थी। एक रिपोर्ट में कहा गया कि बांग्लादेश की सीमा को बॉर्डर के पास खास तरह का गड्ढा खोदते हुए भी देखा गया। इससे अंदाजा लगाया गया कि बांग्लादेश बंकर बनाने की तैयारी कर रहा है। दोनों देशों के सुरक्षाबलों में तीखी नोकझोंक भी हुई। ऐसे में बीजीबी ने सीमा पर अपने जवानों को बढ़ा दिया। इसके बाद बीएसएफ ने भी सीमा पर

एसपी अभिनंदन ने किया कलवारी और नगर थाने का औचक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। नवागत एसपी बस्ती अभिनंदन ने कार्यभार ग्रहण करते ही थाना कलवारी और नगर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय आदि का भ्रमण करते हुए थाने पर अपराध रजिस्टर, निरोधात्मक कार्यवाही रजिस्टर, हिस्ट्रीशीट रजिस्टर, सक्रिय अपराधी रजिस्टर व अन्य अभिलेखों को देखा। एसपी अभिनंदन ने थाना परिसर में उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सख्त हिदायत दिया गया कि वे अपेक्षित समस्त कार्यवाहियों का निर्वहन पूर्ण व सही तरीके से करें। बीट आरक्षी व मुख्य आरक्षी गण को अपने अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक भ्रमणशील रहकर वहां के संभ्रांत लोगों से नियमित संपर्क में रहें।

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, प्रियंका गांधी के जन्म दिन पर गरीब बस्तियों में किया फल, बिस्कुट का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महिला कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष और उ.प्र. कांग्रेस कमेटी श्रम प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव मंजू पाण्डेय ने रविवार को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सांसद प्रियंकागांधी के 53 वें जन्म दिन पर गनेशपुर नगर पंचायत के गरीब बस्तियों में टाफी, बिस्कुट, फल आदि का वितरण कर खुशियों को साझा किया।

कांग्रेस नेता मंजू पाण्डेय ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने सदैव धर्म को मानव के उत्थान से जोड़ा और इसी धारा में प्रियंका गांधी समाज के दलित, वंचित, उपेक्षित लोगों, महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिये संघर्षरत है। प्रियंका गांधी के सुदीर्घ स्वस्थ जीवन का कामना करते हुये मंजू पाण्डेय ने कहा कि वे कांग्रेस ही नहीं वरन करोड़ों भारतवासियों की उम्मीद है। उनमें देश पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की झलक देखता है।

गरीब बस्तियों में टाफी, बिस्कुट, फल वितरण के दौरान मंजू पाण्डेय के साथ मुख्य रूप से मनीषा देवी, किसलावती, कुसुम देवी, पुष्पलता, रोशनी, निर्मला देवी, राजमति, हेमलता, रामरती, प्रेमलता आदि ने खुशियों को साझा किया।

सरदार पटेल स्मारक परिसर में स्थापित होगी पटेल जी की भव्य प्रतिमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को सरदार पटेल स्मारक संस्थान की त्रैमासिक बैठक ओम प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में संस्थान के समाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में छात्रावास को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैश किये जाने, पुस्तकालय को समृद्ध करने के साथ ही संस्थान के परिसर में भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के भव्य प्रतिमा निर्माण कराये जाने का निर्णय लिया गया।

विधायक राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि संस्थान के विकास के लिये वे सदैव योगदान जारी रखेंगें। डा. आर. पी. वर्मा, अमित चौधरी, चौधरी राजेश निराला, रामजी चौधरी , ई. विकम चौधरी सहित अनेक पदाधिकारियो ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

महामंत्री डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने आय व्यय का लेखा जोखा रखते हुये परस्पर सहयोग पर जोर दिया।

बैठक में मुख्य रूप से प्रेमचन्द्र पटेल, ध्रुव चन्द्र पटेल, ई. श्यामलाल चौधरी, कमलेश चौधरी, राम कृपाल चौधरी, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, अवनि कुमार चौधरी, श्यामनरायन चौधरी, राकेश कुमार चौधरी, ई. राजेन्द्र चौधरी, गौरव पटेल, राजमणि चौधरी, भानु प्रताप चौधरी, रामतेज चौधरी आदि उपस्थित रहे।

बदला मौसम का मिजाज, बढ़ी ठंड

नई दिल्ली (आभा)। जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बर्फबारी के कारण कई इलाकों में तापमान 0 डिग्री से नीचे बना हुआ है, इस कारण यहां बर्फीली हवाएं चल रही हैं, जिसका असर उत्तर भारत के राज्यों में भी देखने को मिल रहा है।

दिल्ली समेत देश के 18 राज्यों में आज घना कोहरा देखने को मिला। धुंध का सबसे ज्यादा असर पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में दिखा। दिल्ली में विजिबिलिटी घटने से 25 ट्रेनें और कुछ फ्लाइट्स लेट हुईं।

उत्तर प्रदेश के कानपुर, मैनपुरी, फतेहपुर, रायबरेली में न्यूनतम तापमान 4 से 5 डिग्री के बीच रहा। अयोध्या लगातार दूसरे दिन पूरे प्रदेश में सबसे ठंडा जिला रहा। यहां तापमान 4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मध्यप्रदेश के मुरैना, ग्वालियर, भिंड, दतिया के रतनगढ़, श्योपुर, शिवपुरी और गुना में बारिश हुई और आंधी चली।

2025 के लिये चित्रांश क्लब अध्यक्ष बने प्रकाश मोहन, लक्ष्मी अरोरा को महिला विंग की जिम्मेदारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती अवसर पर जीवीएम कान्वेन्ट स्कूल के सभागार में चित्रांश क्लब की बैठक सम्पन्न हुई। सर्व सम्मत से संस्थापक अध्यक्ष राजेश चित्रगुप्त और राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव ने वर्ष 2025 के अध्यक्षों की घोषणा किया। सर्व सम्मत से पुरुष वर्ग में प्रकाश मोहन श्रीवास्तव को जिलाअध्यक्ष एवं महिला विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी अरोरा को घोषित किया गया।

संस्थापक अध्यक्ष राजेश चित्रगुप्त ने कहा कि घोषित अध्यक्ष एक सप्ताह के भीतर अपनी– अपनी कार्यकारिणी गठित कर लें और क्लब की परम्परा के अनुसार सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यों को गति दें। राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव और संरक्षक सन्तोष सिंह ने कहा कि कुआंनों को प्रदूषण से मुक्त करने का जो संकल्प

चित्रांश क्लब ने लिया है उसे गति दिया जाय।

चित्रांश क्लब अध्यक्षों की घोषणा के दौरान मुख्य रूप से अंकुर वर्मा, दिनेश श्रीवास्तव, विजय लक्ष्मी सिंह, नीलम सिंह, सुषमा चौधरी, रामानंद उर्फ नन्हे भैया, सर्वेश श्रीवास्तव,उमंग शुक्ला, अतुल चित्रगुप्त, मनमोहन श्रीवास्तव, नीरज सिंह, रूपेश,आशीष श्रीवास्तव, रंजीत श्रीवास्तव, रेखा चित्रगुप्त, संध्या दीक्षित, अविनाश श्रीवास्तव, प्रीति श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव,सविता प्रतिमा,संज्ञा श्रीवास्तव,सुमन,रानी श्रीवास्तव, रणदीप माथुर,दीपू श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, अनिल पाण्डेय, अमर सोनी, दुर्गेश श्रीवास्तव, मो.इस्माइल,मुजीब खान के साथ ही क्लब के अनेक पदाधिकारी, सदस्य और अनेक सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

सावित्री बाई फूले के जन्म दिन को शिक्षिका दिवस के रूप में मनाये जाने की मांगः योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को प्रोफेसर, टीचर एण्ड नॉन टीचिंग एम्पलाइज विंग 'प्रोटान' द्वारा जिलाध्यक्ष कैलाशनाथ के संयोजन में कटरा स्थित एक मैरेज हाल में सावित्री बाई फूले और फातिमा शेख के योगदान पर चर्चा की गई। दोनों महिलाओं के सामाजिक योगदान पर वक्ताओं ने विस्तार से प्रकाश डाला। मांग किया गया कि देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले के जन्म दिन को शिक्षिका दिवस के रूप में मनाया जाय।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये सामाजिक कार्यकर्ता उदयभान ने कहा कि हर साल 3 जनवरी को सावित्रीबाई फुले जयंती मनाई जाती है. यह दिन भारत की पहली महिला शिक्षिका और सामाजिक क्रांति की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले को समर्पित है. उनका जीवन महिलाओं और वंचित वर्गों की शिक्षा और समानता के लिए एक मिशाल है।

प्रोटान के प्रदेश प्रभारी आर. एल. गौतम का कहा कि संगठन द्वारा समूचे प्रदेश में सावित्री बाई फूले और फातिमा शेख की जयन्ती

मनायी जा रही है। कहा कि मुस्लिम समाज की फातिमा शेख और उस्मान शेख ने विद्यालय के लिए स्थान प्रदान किया. फातिमा शेख को भारत की पहली मुस्लिम महिला शिक्षिका माना जाता है. सावित्रीबाई को समाज का विरोध सहना पड़ा। लोग उन पर कीचड़ और पत्थर फेंकते थे, लेकिन उन्होंने हर बाधा को सहन किया।

कार्यक्रम को राम अनुज भाष्कर, आत्मा प्रसाद, दिनेश चौधरी, आर. के. गौतम, प्रदीप चौधरी, राजेन्द्र कन्नौजिया आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि सावित्रीबाई फुले ने सामाजिक सुधारों में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा और जातिवाद के खिलाफ आवाज उठाई। अध्यक्षता करते हुये रामधारी सिंह दिनकर ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहन दिया और पीड़ित महिलाओं के लिए शरणगृह स्थापित किए. अस्पृश्यता के विरोध में अपने घर का कुआं सभी के लिए खोला और समानता का संदेश दिया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से जानकी प्रसाद, सत्येन्द्र सहाय, रामजी वर्मा, विनय कुमार वर्मा, विजय कुमार भारती, अशोक कुमार कन्नौजिया, सत्य प्रकाश राव, ठाकुर प्रेम नन्दवंशी, बुद्धेश राना, आर.के. आरतियन, राम सुमेर यादव के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

पूर्व छात्र संगम में जीवन्त हुई स्मृतियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती तथा स्वामी विवेकानंद जी की 162वीं जयंती के अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबाग में रविवार को पूर्व छात्र संगम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय में विभिन्न वर्षों में अध्ययनरत पूर्व छात्रों का समागम हुआ। मंच पर विद्या भारती पूर्वी उ. प्र. के मंत्री डॉ. सौरभ मालवीय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक बस्ती विभाग के विभाग प्रचारक डॉ. अवधेश , पूर्व छात्र परिषद के प्रांत अध्यक्ष प्रशांत पांडेय, विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर सुरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व छात्र परिषद के अध्यक्ष डा. मानवेंद्र पाल और विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविंद सिंह की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की प्रस्तावकी प्रस्तुत करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविंद सिंह ने बताया कि सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना सन 1952 में हुई। इसी क्रम में विद्या भारती की स्थापना 1977 में हुई। पूरे भारत में विद्या भारती की 11 समितियां, 68 प्रांतीय समितियां, 24770 औपचारिक विद्यालय, संस्कार केंद्र और एकल विद्यालय चल रहे हैं। 144909 आचार्य 3538033 छात्र–छात्राओं को नियमित शिक्षा दे रहे हैं।

विद्यालय की स्थापना की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि सन 1982 में शिशु मंदिर के साथ कक्षा षष्ठ की व्यवस्था शुरू की गई, और

1985 में अपनी भूमि और भवन पर अलग से सरस्वती विद्या मंदिर की स्थापना की गई। पहले प्रधानाचार्य श्री श्रवण सिंह थे। 1998 में विद्यालयों को सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल की मान्यता और 2000 में इंटर की मान्यता मिली, प्रधानाचार्य श्री लालता प्रसाद पाण्डेय थे। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों की चर्चा भी की और इस कार्यक्रम की उपादेयता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य श्री श्रवण सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य श्री लालता प्रसाद पांडेय, विद्यालय के पूर्व आचार्य श्री जगदीश प्रसाद मिश्र, विद्यालय के पूर्व आचार्य एवं वर्तमान में नागाजी सरस्वती विद्या मंदिर बलिया के प्रधानाचार्य श्री शैलेंद्र त्रिपाठी, पूर्व आचार्य राम नरोत्तम चौधरी, धर्मेंद्र त्रिपाठी, अमरनाथ त्रिपाठी एवं सहदेव पांडेय को सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में डॉ. सौरभ मालवीय ने कहा कि जीवन में दो अवसर हैं, जहां रहकर हम लोगों से जुड़े रहते हैं। वह नौकरी का स्थान और विद्यालय है , जहां से आप जुड़े हुए हैं। यह जानकर मुझे बहुत खुशी है। राष्ट्र के विकास की प्रक्रिया में शिक्षा का बहुत महत्व है, संस्कृति व सभ्यता का सनातन ही पुरातन और परंपरागत है। उन्होंने संस्कार के साथ जीवन मूल्य के महत्व और समर्पण के सुख की चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश और राष्ट्र के प्रति हमारी कृतज्ञता दिखनी चाहिए। उन्होंने पूर्व छात्रों का आह्वान किया कि वे एक ऐसी समिति बनाएं जो समाज के विभिन्न वर्गों की सहायता कर सके, जैसे अर्थाभाव में किसी की पढ़ाई बाधित न हो, गरीब किंतु मेधावी छात्रों को आर्थिक सहयोग, गरीब छात्राओं की विवाह की चिंता, अपंग लोगों की चिकित्सा के लिए सहयोग आदि।

समापन सत्र में संघ के प्रांत प्रचारक प्रमुख सुनील जी ने पूर्व छात्र परिषद विषय पर विस्तृत विचार रखा।

पूर्व छात्र परिषद के मंत्री भावेश पाण्डेय ने पूर्व छात्र परिषद कोष के निर्माण का प्रस्ताव रखा।

इस अवसर पर संगीत के कार्यक्रम भी हुए। पूर्व छात्र योगेश शुक्ल, संतोष शुक्ल, सत्येन्द्र त्रिपाठी,दुष्यंत सिंह,भावेश पांडेय,अंकुर वर्मा आदि ने भी अपनी पुरानी यादें साझा कीं।

कार्यक्रम में पूर्व छात्र परिषद के सदस्यों द्वारा शिशु मंदिर और विद्या मंदिर के आचार्यों का गीता की पुस्तक, अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उत्तम दूबे, आलोक मिश्र, अजय शंकर, नवीन त्रिपाठी, अभिषेक ओझा, दीपक सिंह, अमित मिश्रा, नीरज त्रिपाठी, प्रशांत त्रिपाठी, अनुज मोदी, उमेश कुमार, राम प्रताप सिंह, रीतिकेश सहाय, नितेंद्र अग्रवाल, रविकांत मिश्र, अभिनव उपाध्याय, सचिन श्रीवास्तव, नितेश शर्मा, योगेश शुक्ल, आलोक पांडे, डॉ आलोक श्रीवास्तव, नीरज चौधरी आदि पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

25 जनवरी को संविधान सम्मान यात्रा निकालेगी आजाद समाज पार्टी 'कांशीराम'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।रविवार को आजाद समाज पार्टी 'कांशीराम' का कार्यकर्ता सम्मेलन प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष अजय कुमार के संयोजन में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य डा. मोहम्मद आकिब ने कहा कि दलितों, पिछड़ों, मुसलमानों को एकजुट करने के लिये पार्टी द्वारा 25 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चन्द्रशेखर आजाद के दिशा निर्देश में संविधान सम्मान यात्रा निकाली जायेगी।

पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का आवाहन करते हुये डा. मोहम्मद आकिब ने कहा कि भाजपा लगातार संविधान को कमजोर कर रही है। महाकुंभ में मुसलमानों के प्रवेश, दूकान लगाने आदि पर रोक लगाया जाना संवैधानिक मूल्यों के विरूद्ध है। कहा कि जिस प्रकार

–महाकुंभ में मुसलमानों के प्रवेश, व्यापार पर रोक का फैसला संविधान की भावना के विरूद्ध- डा. मोहम्मद आकिब

से महाकुंभ में वीआईपी घाट बनवाये गये हैं उससे स्पष्ट है कि भाजपा ने आस्था के महाकुंभ को अपने राजनीतिक दल का आयोजन बना दिया है। यह स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण है।

विशिष्ट अतिथि प्रदेश सचिव बृजेश यादव, मण्डल प्रभारी अर बाबुल हक ने कहा कि आजाद समाज पार्टी न केवल एक राजनैतिक पार्टी, बल्कि वंचित समाज में जन्में महापुरूषों के सामाजिक,परिवर्तन, आर्थिक मुक्ति और स्वाभिमान के सपनों को साकार करने का एक आन्दोलन है । कहा कि आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी मजबूती से उतरेगी। इसके लिये गांव– गांव जाकर संगठन को मजबूत किया जाय। अध्यक्षता करते हुये जिलाध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से सूरज मल्होत्रा, नासिर अली, मेराज अहमद, खुर्शीद आलम, रामानुज चौधरी, बृजेश सिंह पंकज, अमित डीसी, राजकुमार, विशाल कुमार गौतम, अनिल यादव, महेंद्र कुमार, मंजू, विनय चौधरी, विजय कुमार निषाद, विष्णु दत्त वर्मा, दिलीप कुमार, मुलायम सिंह, मनीष कुमार, जितेंद्र पटेल, सुभाष चंद्र, मोहम्मद इरफान, अनिल कनौजिया, दुर्गेश सम्राट, मेवालाल, रामचेत, बाल जी चौधरी, सोनू चौधरी, गणेश कुमार, सनी राव आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 जनवरी 2025 सोमवार

सम्पादकीय

राष्ट्रीय सुरक्षा के यक्ष प्रश्न

भारत ने विवादित अक्साई चिन क्षेत्र में स्थित हॉटन प्रांत में 2 नए काऊंटी बनाने के चीन के हालिया प्रयास का सही विरोध किया है, जिस पर भारत का दावा है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि भारत ने इस क्षेत्र पर अवैध चीनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। भारत ने विवादित अक्साई चिन क्षेत्र में स्थित हॉटन प्रांत में 2 नए काऊंटी बनाने के चीन के हालिया प्रयास का सही विरोध किया है, जिस पर भारत का दावा है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि भारत ने इस क्षेत्र पर अवैध चीनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। विदेश मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश और असम से होकर बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी के तिब्बती नाम यारलुंग त्सांगपो में दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना के शुरू होने पर भी चिंता व्यक्त की है। रॉयटर्स के अनुसार, तिब्बती पठार के पूर्वी किनारे पर स्थित यह परियोजना संभावित रूप से भारत और बांग्लादेश के लाखों लोगों को प्रभावित कर सकती है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ द्वारा पिछले महीने के अंत में इस मामले की रिपोर्ट किए जाने के बाद भारतीय पक्ष की ओर से विरोध किया गया। भारत का विरोध इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 18 दिसंबर, 2004 को सीमा तंत्र के लिए विशेष प्रतिनिधियों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी की बैठक की पृष्ठभूमि में हुआ है। यह बैठक जून 2000 में पूर्वी लद्दाख में भड़के तनाव को हल करने के लिए थी, जिसे तब से 'गलवान संघर्ष' कहा जाता है।

भारत ने पूर्वी हिमालय की गहरी घाटियों में यारलुंग जंगबो नदी पर चीन की मैगा बांध परियोजना पर भी चिंता व्यक्त की है जो चीनी नियंत्रण में आती है। हालांकि, नई दिल्ली ने नवीनतम रिपोर्ट के बाद डाऊनस्ट्रीम देशों के साथ पारदर्शी परामर्श की आवश्यकता पर जोर दिया है। हम चीन की संदिग्धा कार्यप्रणाली को अच्छी तरह से जानते हैं। हमें भारत के खिलाफ निर्देशित चीन–पाकिस्तान धुरी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हम देश के हर महत्वपूर्ण क्षेत्र में आई.एस.आई. की विघटनकारी भूमिका की गंभीरता को कम नहीं कर सकते। हालांकि, हर बिस्तर के नीचे आई.एस.आई. की तलाश करना अवांछनीय है, जैसा कि शीत युद्ध के दौरान सी.आई.ए. और के.जी.बी. के बारे में एक बार कहा गया था। अगर कोई विदेशी एजैंसी अनुचित लाभ उठाती है, तो इसका मुख्य कारण हमारी खराब हाऊसकीपिंग है।

इस संदर्भ में, यह कहा जाना चाहिए कि भारत में रक्षा सौदे पेशेवर और स्पष्ट रूप से नहीं किए जा रहे हैं। बिचौलिए, लॉबिस्ट, ठग और राजनीतिक–नौकरशाही संचालक किसी न किसी निहित स्वार्थ के लिए काम कर रहे हैं। भले ही रक्षा नियम बिचौलियों को हार्डवेयर और हथियार खरीदने से रोकते हैं। वैसे भी इस पाखंड को क्यों सहना पड़ता है? दुनिया भर में अधिकांश रक्षा सौदों में बिचौलिए मौजूद हैं। वे यहां भी काम करते हैं। दलालों ने रक्षा सौदों में व्यापक रूप से घुसपैठ की है, यह एक ऐसा तथ्य है जो अच्छी तरह से पहचाना जाता है। यह भी सच है कि सुरक्षा की आड़ में रिश्वत का चलन फल–फूल रहा है। यह पैसा कहां जाता है? इन अंडर–द–टेबल भुगतानों से किसे लाभ होता है? प्रवर्तन अधिकारियों को भले ही इसकी जानकारी न हो, लेकिन हथियार व्यापारियों के जासूसी कैमरे पैसे और सत्ता के खेल में सबसे सम्मानित व्यक्तियों की कीमत जानते हैं। महत्वाकांक्षी मुद्दा यह है कि संदिग्ध सौदों के पीछे कौन लोग थे? ऐसे घोटालों के लिए कौन जवाबदेह होना चाहिए? वाकई बहुत सारा पैसा हाथ से गया होगा। लूट का माल किसने जेब में डाला?

राष्ट्रीय सुरक्षा को दलीय राजनीति से नहीं उलझाया जाना चाहिए या राजनीतिक हथियार नहीं बनना चाहिए। वास्तव में, हमारे सुरक्षा और राजनीतिक मुद्दों के प्रति मौजूदा कारोबारी मानसिकता को झकझोर कर रख देना और अधिक सतर्क और गंभीर रवैया अपनाना महत्वपूर्ण है। चाहे हम इसे पसंद करें या नहीं, इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया गया है। दुर्भाग्य से, इस देश में राजनीति अज्ञानता या आधी–अधूरी जानकारी पर पनपती है। इसका नतीजा यह होता है कि देश के असली मुद्दे गैर–मुद्दों में खो जाते हैं। यह ध्यान में रखना होगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सशस्त्र बलों की ताकत या युद्ध क्षेत्रों में उनकी प्रभावी तैनाती का मामला नहीं है। यह अर्थव्यवस्था, विदेशी मामलों और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से निपटने वाली सरकारी एजैंसियों जैसे अर्थव्यवस्था, विदेशी मामलों और खुफिया जानकारी जुटाने के अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से निपटने वाली खुफिया एजैंसियों का एक संयुक्त प्रयास है, और नीति–निर्माण में निकट समन्वय हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा ङ्क्षचताओं को दूर कर सकता है। यह बदले में, निर्णय लेने वालों को अच्छी तरह से तैयार की गई रणनीतियों और नीतियों को विकसित करने में मदद करेगा।

स्वामी विवेकानन्द को जहां मिली थी वैश्विक पहचान

– रमेश सर्राफ धमोरा–

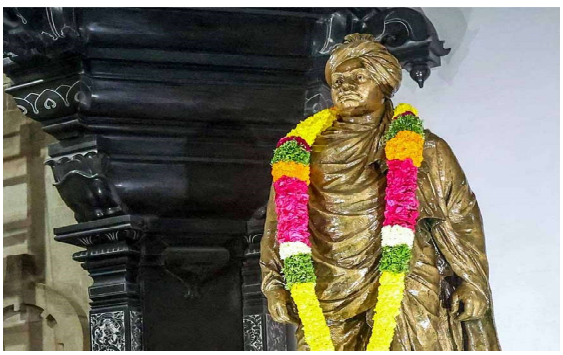

भारत में रियासतों के विलीनीकरण से पूर्व राजस्थान में खेतड़ी एक सुविकसित रियासत थी। चारों तरफ फैले खेतड़ी के यश की चर्चा सुनकर ही विदेशी आक्रमणकारी महमूद गजनवी ने एक बार खेतड़ी पर भी आक्रमण किया था। मगर उसके उपरान्त भी खेतड़ी की शान में कोई कमी नहीं आयी थी। खेतड़ी के सभी राजा साहित्य एवं कला पारखी व संस्कृति के प्रति आस्थावान रहे थे। वे शिक्षा के विकास व विभिन्न क्षेत्रों को प्रकाशमान करने की दिशा में सदैव सचेष्ट रहते थे। खेतड़ी सदैव से ही महान विभूतियों की कार्यस्थली के रूप में जानी जाती रही है।

खेतड़ी नरेश अजीतसिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले शासक थे। राजा अजीतसिंह ने माऊन्ट आबू में एक नया महल खरीदा था। गर्मी में राजा उसी महल में ठहरे हुये थे। उसी दौरान 4 जून 1891 को उनकी युवा सन्यासी विवेकानन्द जी से उनकी पहली बार मुलाकात हुई। इस मुलाकात से अजीतसिंह उस युवा संन्यासी से इतने प्रभावित हुए कि राजा ने उस युवा संन्यासी को अपना गुरू बना लिया तथा अपने साथ खेतड़ी चलने का आग्रह किया। जिसे संन्यासी ठुकरा नहीं सके। स्वामी विवेकानन्द 7 अगस्त 1891 को प्रथम बार खेतड़ी आये। खेतड़ी में स्वामीजी 27 अक्टूबर 1891 तक रहे।

स्वामीजी ने राजा अजीतसिंह को उदार व विशाल बनने के लिए आधुनिक विज्ञान के महत्व को समझाया। खेतड़ी में ही स्वामी विवेकानन्द ने राजपण्डित नारायणदास शास्त्री के सहयोग से पाणिनी का 'अष्टाध्यायी' व पातंजलि का 'महाभाष्याधायी' का अध्ययन किया। स्वामीजी ने व्याकरणाचार्य और पाण्डित्य के लिए विख्यात नारायणदास शास्त्री को लिखे पत्रों में उन्हे मेरे गुरु कहकर सम्बोधित किया था।

अमेरिका जाने से पूर्व राजा अजीतसिंह के निमंत्रण पर 21 अप्रेल 1893 को स्वामीजी दूसरी बार खेतड़ी पहुंचे। स्वामी जी इस दौरान 10 मई 1893 तक खेतड़ी में प्रवास किया। यह स्वामी जी की दूसरी खेतड़ी यात्रा थी। इसी दौरान एक दिन नरेश अजीत सिंह व स्वामीजी फतेहविलास महल में बैठे शास्त्र चर्चा कर रहे थे। तभी राज्य की नर्तकियों ने वहां आकर गायन वादन का अनुरोध किया। इस पर सन्यासी होने के नाते स्वामीजी उठकर जाने लगे तो नर्तकियों की दल नायिका मैनाबाई ने स्वामी जी से आग्रह किया कि स्वामीजी आप भी विराजें। मैं यहां भजन सुनाउंगी। इस पर स्वामीजी बैठ गये। नर्तकी मैनाबाई ने महाकवि सूरदास रचित प्रसिद्ध भजन

प्रभू मोरे अवगुण चित न धरो ।
समदरसी है नाम तिहारो चाहे तो पार करो ६

सुनाया तो स्वामीजी की आंखों में पश्चाताप मिश्रित आंसुओं की धारा बह निकली और उन्होंने उस पतिता नारी को ज्ञानदायिनी मां कहकर सम्बोधित करते हुये कहा कि आपने आज मेरी आंखें खोल दी हैं। इस भजन को सुनकर ही स्वामीजी सन्यासोन्मुखी हुए ओर जीवन पर्यन्त सद्भााव से जुड़े रहने का व्रत धारण किया। 10 मई 1893 को स्वामजी मात्र 28 वर्ष की अल्पायु में खेतड़ी से अमेरिका जाने को प्रस्थान किया। महाराजा अजीतसिंह के आर्थिक सहयोग से ही स्वामी विवेकानन्द अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित विश्वधर्म सम्मेलन में शामिल हो वेदान्त की पताका फहराकर भारत को विश्व धर्मगुरु का सम्मान दिलाया।

इस बात का पता बहुत कम लोगों को है कि स्वामीजी का स्वामी विवेकानन्द नाम भी राजा अजीतसिंह ने रखा था। इससे पूर्व स्वामीजी का अपना नाम विविदिषानन्द था। शिकागो जाने से पूर्व राजा अजीतसिंह ने स्वामीजी से कहा आपका नाम बड़ा कठिन है। उसका अर्थ नहीं समझा जा सकता है। उसी दिन राजा अजीतसिंह ने उनके सिर पर साफा बांधा व भगवा चोगा पहना कर नया वेश व नया नाम स्वामी विवेकानन्द प्रदान किया था। जिसे स्वामीजी ने जीवन पर्यन्त धारण किया। आज भी लोक उन्हें राजा अजीतसिंह द्वारा प्रदत्त स्वामी विवेकानन्द नाम से ही जानते हैं।

शिकागो में हिन्दू धर्म की पताका फहराकर स्वामीजी विश्व भ्रमण करते हुए 1897 में जब भारत लौटे तो 17 दिसम्बर 1897 को खेतड़ी नरेश ने स्वामीजी के सम्मान में 12 मील दूर जाकर उनका स्वागत किया व भव्य गाजे–बाजे के साथ खेतड़ी लेकर आये। उस वक्त स्वामी जी को सम्मान स्वरूप खेतड़ी दरबार के सभी ओहदेदारों ने दो–दो सिक्के भेंट किये व खेतड़ी नरेश ने तीन हजार सिक्के भेंट कर दरबार हाल में स्वामी जी का स्वागत किया।

सर्वधर्म सम्मेलन से लौटने के बाद स्वामी विवेकानंद जब खेतड़ी आए तो राजा अजीत सिंह ने उनके स्वागत में शहर में चालीस मण देशी घी के दीपक जलवाए थे। इससे भोपालगढ़, फतेहसिंह महल, जयनिवास महल के साथ पूरा शहर जगमगा उठा था। 20 दिसम्बर 1897 को खेतड़ी के पन्नालाल शाह तालाब पर प्रीतिभोज देकर स्वामी जी का भव्य स्वागत किया। शाही भोज में उस वक्त खेतड़ी ठिकाना के पांच हजार लोगों ने भाग लिया था। उसी समारोह में स्वामी विवेकानन्द जी ने खेतड़ी में सावजनिक रूप से भाषण दिया जिसे सुनने हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। उस भाषण को सुनने वालों में खेतड़ी नरेश अजीत सिंह के साथ काफी संख्या में विदेशी राजनयिक भी शामिल हुये। 21 दिसम्बर 1897 को स्वामीजी खेतड़ी से प्रस्थान कर गये।

स्वामी विवेकानन्द जी ने एक बार कहा था कि यदि खेतड़ी के राजा अजीतसिंह जी से उनकी भेंट नही हुयी होती तो भारत की उन्नति के लिये उनके द्वारा जो थोड़ा बहुत प्रयास किया गया उसे वे कभी नहीं कर पाते। स्वामी जी राजा अजीतसिंह को समय–समय पर पत्र लिखकर जनहित कार्य जारी रखने की प्रेरण देते रहते थे।

राजा अजीतसिंह और स्वामी विवेकानन्द के अटूट सम्बन्धों की अनेक कथाएं आज भी खेतड़ी के लोगों की जुबान पर सहज ही सुनने को मिल जाती है। स्वामीजी का मानना था कि यदि राजा अजीतसिंह नहीं मिलते तो उनका शिकागो जाना संभव नहीं होता। स्वामी जी ने माना था कि राजा अजीतसिंह ही उनके जीवन में एकमात्र मित्र थे। स्वामी जी के आग्रह पर राजा अजीत सिंह ने स्वामी की माता भुवनेश्वरी देवी को 1891 से सहयोग के लिये 100 रूपये प्रतिमाह भिजवाना प्रारम्भ करवाया था जो अजीतसिंह जी की मृत्यु तक जारी रहा। स्वामी जी का जन्म 12 जनवरी 1863 में व मृत्यु 4 जुलाई 1902 को हुयी थी। इसी तरह राजा अजीतसिंह जी का जन्म 10 अक्टूबर 1861 में व मृत्यु 18 जनवरी 1901 को हुयी थी। दोनो का निधन 39 वर्ष की उम्र में हो गया था व दोनो के जन्म व मृत्यु का समय में भी ज्यादा अन्तर नहीं था। इसे महज संयोग नहीं कहा जा सकता है।

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए यह संदेश देने वाले युवाओं के प्रेरणास्रोत, समाज सुधारक, युवा युगपुरुष स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में हुआ था। इनके जन्मदिन को ही राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जन्मदिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाए जाने का प्रमुख कारण उनका दर्शन, सिद्धांत, आध्यात्मिक विचार और उनके आदर्श हैं। उनके ये विचार और आदर्श युवाओं में नई शक्ति और ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। किसी भी देश के युवा उसका भविष्य होते हैं। उन्हीं के हाथों में देश की उन्नति की बागडोर होती है।

स्वामी विवेकानन्द ने रामकृष्ण मिशन नामक सेवा भावी संगठन की स्थापना की। जिसकी राजस्थान में प्रथम शाखा खेतड़ी में 1958 को राजा अजीतसिंह के पौत्र बहादुर सरदार सिंह द्वारा खेतड़ी प्रवास के दौरान स्वामी जी के ठहरने के स्थान स्वामी विवेकानन्द स्मृति भवन में प्रारम्भ करवायी गयी। मिशन द्वारा खेतड़ी में गरीब तथा पिछड़े बालक–बालिकाओं के लिए श्री शारदा शिशु विहार नाम से एक बालवाड़ी, सार्वजनिक पुस्तकालय, वाचनालय एवं एक मातृ सदन तथा शिशु कल्याण केन्द्र भी चलाया जा रहा है। खेतड़ी चौराहे पर तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. भैरोंसिंह शेखावत ने 1996 में स्वामी विवेकानन्दजी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया था। जिससे आनेवाली पीढियों को प्रेरणा मिलती रहेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी खेतड़ी में रामकृष्ण मिशन का दौरा कर स्वामी विवेकानन्द जी से जुड़ी यादों का अवलोकन कर चुके हैं।–(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

उपेक्षित क्यों हैं,इस युग के द्रोणाचार्य

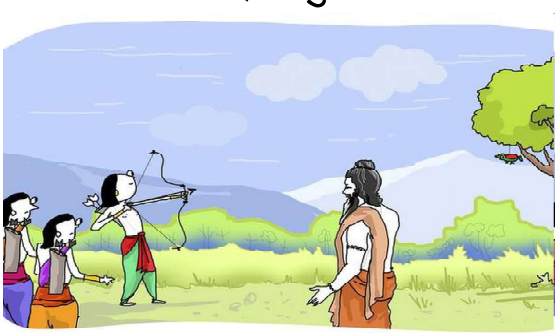

—मनोज सिंह—

गुरु गोविंद दोउ खड़े,काके लागू पांव, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए । कबीरदास की इन पंक्तियों में गुरु की महिमा को प्राचीन काल में दर्शाया गया था समाज में गुरु का स्थान सबसे ऊंचा माना गया है और है भी , प्राचीन काल में राजतंत्र में राजा, महाराजा भी अपने गुरु का कितना सम्मान करते थे हर पौराणिक कथाओं में देखने और पढ़ने को मिलता है लेकिन दुख इस बात का है की वर्तमान दौर में शासन सत्ता के सत्ता धीशो को देश के उन शिक्षकों के प्रति बेपरवाह हो गए हैं जिनसे शिक्षा ग्रहण करके आज सत्ता के शीर्ष पर बैठे हैं

असम में प्रवास के दौरान पीएम श्री नवोदय विद्यालय में ठहरने का संयोग हुआ वहां की शिक्षा व्यवस्था को देखकर ऐसा प्रतीत हुआ की गुरुकुल की परंपरा आज भी जीवित है देश में जहां एक तरफ शिक्षा बहुत से अर्ध सरकारी विद्यालयों में उपेक्षा की शिकार है लाखों का वेतन लेकर भी अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभा रहे हैं इसके विपरीत नवोदय विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाचार्य, शिक्षक, कर्मचारी आठ घंटे को कौन कहे 12 घंटे अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं

आसाम में सूर्य अस्त जनवरी के प्रारंभ में लगभग 4.15 के लगभग हो जाता है उत्तर प्रदेश और दिल्ली की अपेक्षा एक घंटे पहले हो जाता है एक शाम अरुणाचल यूनिवर्सिटी से घूमकर आते समय अंधेरा होने पर जब नवोदय विद्यालय में प्रवेश किया किया तो बड़ी संख्या में नवोदयन बच्चे अपने क्लास रुम में लाइट में बैठे अध्ययन कर रहे थे इस सिलसिले में जब वहां के शिक्षकों से जानना चाहा तों पता चला कि प्रति दिन विद्यालय के कुछ शिक्षकों की क्रमशः डियूटी लगती है दूसरे दिन भोर में 5 बजे बच्चों द्वारा फील्ड में बैंड की धुन पर परेड कर रहे थे तों पता चला कि भोर में वहां भी शिक्षकों की डियूटी क्रम में लगती है इस जानकारी से अपार खुशी हुई कि हमारे देश के नवोदय विद्यालयों में बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा देने के लिए कितना परिश्रम करते हैं यही कारण है कि प्राचीन काल के गुरुकुल की परंपरा आज भी जीवित हैं,देश के सभी सरकारी गैर सरकारी संस्थानों के शीर्ष पदों पर अधिकांश अधिकारी नवोदय विद्यालयों से गये हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी नयोदय विद्यालय को एक तरफ बड़ी मात्रा में फंड देकर नवोदय विद्यालयों को अच्छा बनाने का प्रयास किया है वहीं जवाहरलाल नेहरू के सपनों के नवोदय विद्यालय के नाम को बड़ा करते हुए पी एम श्री नवोदय विद्यालय रख दिया

पी एम श्री नवोदय विद्यालय में नवीन करण का कार्य तेजी से चल रहा है जो राष्ट्र के बच्चों के भविष्य के लिए अच्छी बात है

लेकिन इसका दुखद पहलू यह है कि जो वरिष्ठ शिक्षक रिटायर हो चुके हैं जिन्होंने अपने कार्यकाल में दिन रात परिश्रम करके देश को लाखों से अधिक आई पी एस,आई ए एस अफसर और कुशल राजनेता तथा व्यवसायी दिया है उसको साधारण पेंशन से वंचित रख्खा गया है जिन शिक्षकों ने देश को प्रतिभाशाली युवा दिया है उनके भी बच्चे कहीं ना कहीं प्रतिष्ठित रोजगार से लगें हुए हैं लेकिन सवाल यह उठता है कि बुजुर्गी अवस्था में दैनिक साधारण खर्च के लिए अपने उन बच्चों पर आश्रित रहें जिन्हें जीवन भर उन्होंने आश्ररा दिया । नवोदय विद्यालय के पूर्व शिक्षक आदरणीय दिनेश चंद्र मिश्र जी का मत है कि बहुत अधिक पेंशन की चाहत नहीं है लेकिन कम से कम दस हजार पेंशन तों निजी खर्च के लिए मिलना ही चाहिए । देश के महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए नवोदय विद्यालय से शिक्षा ग्रहण किए हुए अधिकारियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि जिन गुरुजनों ने जीवन के स्वर्णिम काल में अथक परिश्रम करके देश को प्रतिभाशाली युवा दिया उनको साधारण पेंशन की सुविधा जरूर मिले।

परीक्षाओं की स्पष्टता पर उठते सवाल

—रोहित कौशिक—

बिहार प्रशासनिक सेवा आयोग यानी बीपीएससी की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा शनिवार 4 जनवरी को दोबारा कराई गई। इससे पहले बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा 13 दिसम्बर को यह परीक्षा कराई गई थी। उस समय पटना के बापू परीक्षा केन्द्र पर इस परीक्षा में हंगामा हुआ था। इस परीक्षा के कई वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए थे। छात्रों ने आरोप लगाया था कि इस परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। 16 दिसम्बर को इस मुद्दे पर बी.पी.एस.सी. ने एक प्रैस वार्ता आयोजित की। इस प्रैस वार्ता में बी.पी.एस.सी. के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई ने यह कहा था कि आयोग की तरफ से कोई लापरवाही नहीं हुई है। उन्होंने कहा था कि बिहार में 912 केन्द्रों पर यह परीक्षा आयोजित की गई थी। इनमें से बापू परीक्षा केन्द्र में हुई परीक्षा को रद्द किया गया।

छात्र मांग कर रहे थे कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर यह परीक्षा दोबारा हो। लेकिन सरकार और बिहार प्रशासनिक सेवा आयोग ने छात्रों की मांग न मानते हुए शनिवार 4 जनवरी को सिर्फ पटना के बापू परीक्षा केन्द्र के छात्रों के लिए यह परीक्षा दोबारा आयोजित कराई। पटना के 22 केन्द्रों पर इस परीक्षा का आयोजन कराया गया। पटना में अभी भी छात्र इस मुद्दे पर आंदोलन कर रहे हैं। बी.पी.एस.सी. की परीक्षाओं में पहले भी कई बार गड़बड़ी की शिकायतें मिली हैं। पिछले साल शिक्षक भर्ती परीक्षा को पेपर लीक होने के कारण रद्द करना पड़ा था। बिहार में परीक्षाओं में पेपर लीक होने की शिकायतें पहले भी मिलती रही हैं। इससे पहले अमीन भर्ती, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, सिपाही भर्ती जैसी कई परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं प्रकाश में आई हैं। पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं में धांधली की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड में अनेक प्रतियोगी परीक्षाएं इसलिए रद्द करनी पड़ीं क्योंकि उनके पेपर पहले ही लीक हो चुके थे। कुछ समय पहले नीट की परीक्षा में कथित तौर पर धांधली का मामला सामने आया था।

मैडीकल कॉलेजों में धांधली की शिकायतें पहले से ही मिलती रही हैं। इन शिकायतों को दूर करने के लिए ही नैशनल टैस्टिंग एजैंसी यानी एन.टी.ए. के माध्यम से प्रवेश परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया था। लेकिन एन.टी.ए. भी सवालों के घेरे में आ गई थी। नीट परीक्षा में धांधली के बाद यू.जी.सी. नैट परीक्षा में भी धांधली की खबर प्रकाश में आई थी। इस दौर में परीक्षाओं में धांधली आम हो गई है। एक तरफ भारत में नए–नए विश्वविद्यालय बन रहे हैं तो दूसरी तरफ लगातार विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं। बड़े–बड़े दावे पेश करने वाली सरकारें यदि परीक्षाओं के पेपर भी ठीक तरह से न करवा पाएं तो ऐसे विकास का क्या लाभ है।

जब परीक्षाएं भी ठीक तरह से न हो पाएं तो सरकार द्वारा लगातार पेश की जाने वाली उपलब्धियों का क्या औचित्य है? एक अनुमान के अनुसार पिछले 7 वर्षों में परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक होने के कारण डेढ़ करोड़ से ज्यादा छात्र प्रभावित हुए हैं। विकास–विकास चिल्लाने वाली सरकारों को यह समझना चाहिए कि इस दौर में जिस तरह से परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं, उससे हमारा देश कई साल पीछे चला गया है। सवाल यह है कि लगातार विकास होने और संसाधन बढने का छात्रों को क्या लाभ मिल रहा है? हालांकि पटना के बापू परीक्षा केन्द्र के छात्रों के लिए बी.पी.एस.सी. की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा शनिवार 4 जनवरी को दोबारा कराई गई लेकिन छात्र इस पूरी परीक्षा को रद्द कर दोबारा कराए जाने की मांग को लेकर अभी भी आंदोलन कर रहे हैं।

छात्रों की मांग का समर्थन कर रहे और इस मुद्दे को लेकर अनशन पर बैठे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा है कि जब तक मुख्यमंत्री परीक्षार्थियों से संवाद नहीं करते, वह अनशन नहीं तोड़ेंगे। प्रशांत किशोर इस मुद्दे को लेकर गुरुवार से अनशन पर बैठे हुए हैं। प्रशांत किशोर का कहना है कि सरकार को समझना होगा कि जनता की ताकत से बड़ी कोई ताकत नहीं होती। जनता को धर्म और जाति के दायरे से बाहर निकलकर अपने बच्चों के भविष्य के बारे में सोचना होगा। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इस मुद्दे पर बिहार के मुख्यमंत्री चुप भी हैं। अपने स्वार्थ के लिए तो हमारे राजनेता कुछ भी बोलने लगते हैं लेकिन जनसरोकार से जुड़े मुददों पर वे चुप्पी साध लेते हैं।

इससे दुखद क्या होता है कि जब ऐसे मुद्दों पर छात्र सड़कों पर आ जाते हैं तो छात्रों पर ही विभिन्न तरह के आरोप लगा दिए जाते हैं। छात्रों पर ही राजनीति करने का आरोप भी लगा दिया जाता है। क्या सैंकड़ों छात्र सर्दी के मौसम में राजनीति करने सड़कों पर उतरेंगे? जब छात्र दुखी होते हैं तो उनके पास सड़कों पर उतरने के सिवाय क्या चारा रह जाता है? हो सकता है कि कुछ राजनेता अपनी राजनीति चमकाने के उद्देश्य से छात्रों के प्रदर्शन में शामिल हो जाते हों लेकिन यदि सरकार ऐसे मुद्दों पर ईमानदार है तो वह जल्दी से जल्दी इन मुद्दों को हल कर राजनेताओं को राजनीति करने से रोक सकती है। असली सवाल यह है कि छात्रों की समस्या का हल कैसे हो। क्या एक परीक्षा केन्द्र के छात्रों के लिए दोबारा परीक्षा करा देना ही इस समस्या का हल है? जिन छात्रों को इस परीक्षा की शुचिता पर संदेह है, उनका क्या होगा? हर सरकार छात्रों के बेहतर भविष्य की कामना करती है लेकिन क्या यह कामना सिर्फ राजनीति करने तक ही सीमित है? कोई भी सरकार राजनीति से अलग हटकर सच्चे अर्थों में क्यों नहीं सोचती है? इस दौर में राजनीति की शुचिता के साथ ही परीक्षा की शुचिता भी बरकरार रहनी चाहिए, तभी हमारा देश वास्तविक रूप से तरक्की कर पाएगा।

मुठभेड़ में हत्थे चढ़ा इनामी अंतरजनपदीय वाहन लिफ्टर, पैर में लगी गोली

संवाददाता—महराजगंज। जिले की कोठीभार पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। शनिवार की देर रात एसओजी व स्वाट टीम के साथ कोठीभार पुलिस की टीम ने अंतरजनपदीय वाहन लिफ्टर को काफी मशक्कत से मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में लिफ्टर के पैर में गोली लगी है। दबोचे गए वाहन लिफ्टर के ऊपर कोठीभार थाने में गैंगस्टर सहित कई मुकदमे दर्ज होने के साथ 25 हजार रुपए का इनाम भी है। प्रभारी निरीक्षक कोठीभार अखिलेश सिंह के अनुसार वे शनिवार की रात सबया में एसओजी प्रभारी योगेश सिंह व स्वाट टीम के प्रभारी अखिलेश प्रताप सिंह के साथ गश्त पर थे। करीब 12 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि गोरखपुर के गुलहरिया थाना क्षेत्र से चोरी की बाइक के साथ एक वाहन लिफ्टर सिंदुरिया, हेवती व सबया के रास्ते नेपाल भागने की फिराक में सबया की ओर आ रहा है। सूचना पर स्वाट, एसओजी व कोठीभार पुलिस की टीम ने सबया—हेवती रोड स्थित नहर पुल पर घेराबंदी कर दिया। रात करीब एक बजे एक बाइक सवार हेवती की ओर से आता है दिखाई दिया।

नजदीक आते ही पुलिस की घेराबंदी देख उसने पुलिस टीम पर तमंचे से फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने गोली चलाई जो सीधे वाहन लिफ्टर के पैर में जाकर लगी। इसके बाद टीम ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में वाहन लिफ्टर ने अपना नाम कोठीभार थाना क्षेत्र के ग्रामसभा चौनपुर निवासी जितेंद्र साहनी बताया। वह कोठीभार थाने का वांछित और 25 हजार रुपए का इनामी है। पुलिस ने जितेंद्र जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

पकड़े गए वाहन लिफ्टर जितेंद्र के विरुद्ध कोठीभार थाने में वाहन चोरी के आधा दर्जन से ऊपर केस दर्ज हैं। पुलिस ने इसके ऊपर गैंगस्टर की कार्रवाई के साथ 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। इसके अलावा निचलौल, ठूठीबारी व कुशीनगर जनपद के खड्डा थाने में भी जितेंद्र के विरुद्ध वाहन चोरी के केस दर्ज हैं। विगत वर्ष सितंबर माह में वह चोरी की बाइकों के साथ ठूठीबारी पुलिस के भी हत्थे चढ़ा था।

घर में घुसकर नकदी व आभूषण चोरी

संवाददाता—महराजगंज। कोतवाली सदर क्षेत्र के सराय खुटहां गांव में घर में घुसकर नकदी व आभूषण की चोरी। मामले में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, पुराने खुटहां निवासी मनोज कसौधन की सदर कोतवाली क्षेत्र के सराय खुटहां गांव में अपने निजी मकान में किराना की दुकान है।

शनिवार की रात अज्ञात चोर पड़ोसी के छत से होकर दुकान में घुसकर लगभग तीस हजार नकद और छत के ही रास्ते सीढ़ी से होकर पड़ोसी मनोज वर्मा निवासी बेईलिया की दुकान में घुसकर लगभग पैंसठ हजार नकद व गिरवी रखे गए सोने के कई आभूषण चुरा ले गए। घर के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में चोर चोरी करते दिखाई दे रहा है। चौकी प्रभारी पकड़ी मृत्युंजय उपाध्याय ने तहरीर मिलने की पुष्टि की।

उठो जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक रुको मत

संवाददाता—महराजगंज। उठो जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक रुको मत। समस्याओं को निमंत्रण देते हुए उनसे लड़ना सीखिए। सदैव एक नई चुनौती के लिए अपने आप को तैयार रखें। यदि जीवन जीना है तो अपने तन के साथ मन को भी युवा रखें। क्योंकि युवा मन सदैव लक्ष्य को प्राप्त करने में अहम भूमिका का निर्वहन करता है। उक्त बातें दिग्विजयनाथ इंटरमीडिएट कॉलेज चौक बाजार में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित युवा उत्सव कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूनम सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को मानसिक युवा बनना चाहिए। क्योंकि स्वामी विवेकानंद जी युवाओं के मार्गदर्शक के साथ ही साथ प्रेरणास्रोत भी हैं। उनका जीवनचरित युवाओं के लिए समर्पित है। स्वामी विवेकानंद जी का कथन है कि व्यक्ति के जीवन में प्रत्येक दिन उसके लिए एक दिन न होकर एक अवसर होता है और समस्याओं से कभी घबराना नहीं चाहिए। व्यक्ति के जीवन में जिस दिन समस्या नहीं आती उस दिन वह मृत होता है। वरिष्ठ प्रवक्ता जगदंबिका सिंह ने कहा कि युवा देश के स्तंभ होते हैं। इस अवसर पर अरविंद कुमार, मीडिया प्रभारी डॉ. राकेश कुमार तिवारी, फूलबदन, सुनील कुमार, कृष्णानंद शुक्ला मौजूद रहे।

अलग—अलग हादसों में चार की मौत, छह लोग गंभीर रूप से घायल, घरों में मची चीख पुकार

संवाददाता—बहराइच। अलग—अलग थाना क्षेत्रों में शनिवार की रात व रविवार की सुबह हुए हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि, छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। वहां उनका इलाज जारी है। खैरीघाट थाना क्षेत्र के बरदहा बाजार निवासी अभिषेक गुप्ता (22) अपने दोस्त कल्लू (18) व आदर्श साहू (16) के साथ शनिवार को कार से नानपारा आए थे। रात में घर वापस लौटते समय नानपारा बाईपास पर मछली मंडी के पास कार में ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में कार चला रहे आदर्श साहू की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अभिषेक व कल्लू गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे कोतवाल प्रदीप सिंह ने घायलों को इलाज के लिए सीएचसी नानपारा पहुंचा। जहां प्राथमिक इलाज के बाद दोनो को मेडिकल कॉलज बहराइच रेफर कर दिया गया। कोतवाल प्रदीप सिंह ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर भाग गया था, जिसकी तलाश की जा रही है। मौत की सूचना पहुंचते ही आदर्श के घर में कोहराम मच गया। बताते चलें कि आदर्श एक कपड़े की दुकान पर काम करते थे और उनके पिता की मौत हो चुकी है। वहीं छह दिन पहले ही उनके छोटे भाई की तबियत खराब होने से मौत हो गई थी।

वहीं रामगांव थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रेहुआ मंसूर के मजरा अकबरपुरवा निवासी नफीस (36) शनिवार को पत्नी महली(35) के साथ बाइक से महसी जा रही थे। इस दौरान गांव के पास उन्हें तेज रफ्तार पिकप ने टक्कर मार दी। हादसे में महली की मौत हो गई और नफसी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया। राहगीरों के मुताबिक नफीस ने हेलमेट लगा रखा था। कोतवाली देहात क्षेत्र में मरीमाता मंदिर के पास शनिवार को तेज रफ्तार बाइक सवार ने रामगांव थाना क्षेत्र के बिसवरीपुर जब्दी निवासी दूसरे बाइक सवार विनोद (24) को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल विनोद को मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। दूसरा बाइक सवार हादसे के बाद मौके से फरार हो गया।

ठिकाना बदलने लगा अलाउद्दीन, मददगार भूमिगत

संवाददाता—कुशीनगर। डॉक्टरों की फर्जी डिग्री बेचने का आरोपी नगर पंचायत तमकुहीराज के वार्ड नं. तीन हरिहरपुर निवासी अलाउद्दीन के मददगार भी भूमिगत हो गए हैं। पुलिस के सूचना तंत्र की सक्रियता की जानकारी गुर्गों से मिलने के बाद अलाउद्दीन ने भी ठिकाना बदलना शुरू कर दिया है। गोरखपुर की एसओजी समेत पांच टीमें अलाउद्दीन के घर के अलावा कई संभावित ठिकानों पर दबिश दे रहीं है। कुछ मददगार अभी भी उसे पुलिस की कार्रवाई से बचाने में लगे हैं। इससे अलाउद्दीन के हौसले बुलंद है और वह पुलिस को छका रहा है। पुलिस घोषित इनाम की राशि बढ़ाने की तैयारी में है। वहीं उसकी गिरफ्तारी के लिए क्षेत्र में गोरखपुर की टीमें सक्रिय है। कुशीनगर के संभावित ठिकानों पर दबिश भी दे रही हैं।

इसके अलावा एसपी के निर्देश पर स्थानीय पुलिस भी सक्रिय हो गई है। सूत्रों की मानें तो पुलिस को लगातार चकमा दे रहे अलाउद्दीन की गिरफ्तारी के लिए जाल बुन रही। सर्विलांस की मदद से पुलिस अलाउद्दीन और उससे जुड़े नंबरों की पल—पल की गतिविधियों को ट्रेस कर रही है। गोरखपुर की पुलिस टीम अक्सर अलाउद्दीन के पैतृक घर पहुंच कर जानकारी जुटा रही है, लेकिन घर में मौजूद परिजन गोल—मटोल जवाब देकर पुलिस को गुमराह कर रहे है। पुलिस से जुड़े सूत्र बताते है कि तमकुहीराज पुलिस की टीम भी अलाउद्दीन की गतिविधियों के बारे में गोपनीय सूचना जुटा रही है, क्योंकि कि अपराधियों के प्रति जिले के एसपी संतोष कुमार मिश्रा के तेवर सख्त है और वह किसी भी स्तर पर कार्रवाई में चूक नहीं चाहते हैं। संभव है कि अलाउद्दीन की गिरफ्तारी के लिए मातहतों के डेडलाइन का भी निर्धारण कर दिया जाए। इसीलिए सावधानी बरते हुए तमकुहीराज पुलिस ने अलाउद्दीन की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाना शुरू कर दिया है। इंस्पेक्टर तमकुहीराज अमित शर्मा ने बताया आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का लक्ष्य है कि थाना क्षेत्र में सक्रिय हर अपराधी का ठिकाना जेल में ही रहे।

गोरखा नेपाल से गोरखनाथ मंदिर तक निकली धार्मिक पर्यटन यात्रा

संवाददाता—महराजगंज। नेपाल गोरखा के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल गोरखनाथ मंदिर से उत्तर प्रदेश स्थित गोरखा के गोरखनाथ मंदिर तक शखिचड़ी यात्राश शुरू हो गई है। गोरखनाथ कालिका मंदिर के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार की सुबह गोरखा के लिए शखिचड़ी यात्राश शुरू हुई। यह जानकारी गोरखा गोमाता सेवा महासंघ के अध्यक्ष होम सिंह बसन्याय ने दी। उन्होंने बताया कि माघी पर्व के अवसर पर यहां नव स्थापित गोरखनाथ मंदिर से गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी भेजने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही थी। 20 साल से यह परंपरा बंद हो गई थी। पिछले वर्ष से इसे पुनर्जीवित किया गया है। कहा जाता है कि खिचड़ी गोरख से आई है और इसे गोरखनाथ मंदिर में ले जाया जाता है। खिचड़ी परोसने की परंपरा फिर से शुरू होने से भारत के उत्तर प्रदेश और गोरखा तट के बीच धार्मिक संबंध मजबूत होते रहेंगे। इससे गोरखा में धार्मिक तीर्थ यात्राओं को बढ़ावा मिलेगा।

ट्रेन की चपेट में आई कोचिंग जा रही छात्रा, हाथ कटा

संवाददाता—महराजगंज। रविवार को सिसवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर एक बड़ा हादसा हो गया। ट्रेन पकड़ कर कोचिंग पढ़ने जा रही 21 वर्षीय छात्रा पैर फिसल जाने के बाद ट्रेन की चपेट में आ गई और उसका बायां हाथ कट गया। मौके पर मौजूद लोगों ने आनन फानन में उसे सिसवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने गंभीर हालत देख उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सिसवा कस्बे के मुखर्जी नगर रायपुर निवासी नूर मोहम्मद की 21 वर्षीय बेटी हिना रविवार की सुबह कुशीनगर के कप्तानगंज कस्बे में स्थित एक कोचिंग सेंटर में प्रतिदिन की तरह पढ़ने के लिए जा रही थी। आरती सहित अन्य सहेलियों के साथ सिसवा रेलवे स्टेशन पर पहुंच कर 55097 अप सवारी गाड़ी का इंतजार करने लगी। यह ट्रेन अपने निर्धारित समय से विलंब चल रही थी। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों के अनुसार ट्रेन प्लेटफार्म पर पहुंची और 2 मिनट रुकने के बाद चल दी। इसी दौरान जल्दबाजी में हिना ट्रेन में चढ़ने लगी तो प्लेटफार्म पर खड़े सहायक स्टेशन अधीक्षक प्रमोद कुशवाहा ने आवाज लगाकर चढ़ने से मना किया। लेकिन तब तक छात्रा का पैर फिसल गया और वह ट्रेन की चपेट में आ गई। इस हादसे में छात्रा का बायां हाथ कट गया और दाहिना हाथ फ्रैक्चर हो गया। ट्रेन गुजर जाने के बाद स्टेशन अधीक्षक ने किसी तरह उस छात्रा को पटरी से उठवा कर आनन फानन में मेमो तैयार कर एम्बुलेंस के से तत्काल सिसवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज के लिए भिजवाया। घटना की जानकारी होते ही परिजन भी भागे—भागे सीएचसी पहुंचे और घायल बेटी को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लेकर चले गए।

प्रमोद कुमार कुशवाहा, सहायक स्टेशन अधीक्षक सिसवा रेलवे स्टेशन ने कहा कि गोरखपुर जाने वाली 55097 अप सवारी गाड़ी पर चढ़ते समय छात्रा को रोका गया, लेकिन तब तक पैर फिसल जाने से वो ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। तत्काल एम्बुलेंस से उसे सीएचसी भिजवाया गया और घटना की सूचना मेमो के माध्यम से आरपीएफ इंस्पेक्टर कप्तानगंज को भेज दी गई। अखिलेश कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोठीभार ने कहा कि इस तरह की किसी दुर्घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई है। यदि जानकारी मिलती है तो जांच कर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

संतों ने रामायणी रामकिंकर दास को अर्पित किया श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्री राम कथा से लोगों को जागरूक करने वाले महात्मा भवन महंत रामायणी रामकिंकर दास जी महाराज को संतों ने महात्मा भवन सेवा ट्रस्ट में श्रद्धांजलि अर्पित की और बताया कि श्री महाराज जी पूरे जीवन भर रामचरितमानस और श्रीमद् भागवत कथा से लोगों को सनातन धर्म के लिए जागरुक करते रहें, श्री महाराज जी ने कभी भी कथा के लिए किसी से कोई इच्छा व्यक्त नहीं की बल्कि कोई भी भक्त प्रेम भाव से कथा सुनने की इच्छा व्यक्त किया तो श्री महाराज जी ने आगे आकर के प्रभु के चरित्र का गुणगान उसे सुनाया आज वह इस दुनिया में नहीं है तो उनकी कमी सभी संतो महत्व और उनके भक्त जनों को है। श्री महाराज जी के शिष्य महंत सियाराम दास महाराज ने बताया कि गुरुदेव भगवान पूरे जीवन भजन करते रहे संत सेवा गौ सेवा में अपना पूरा जीवन लगा दिया और जो भी भक्ति अयोध्या में आते थे भगवान का भक्त और अतिथि समझकर उसकी पूरी सेवा करते थे उन्हीं के नक्शे कदम पर चलते हुए उनके ना रहने पर उनके आशीर्वाद से ही आश्रम का संचालन किया जाएगा। महात्मा भवन सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष बाल व्यास सुमन जी महाराज ने बताया कि गुरुदेव भगवान हमेशा सेवा की ही शिक्षा देते थे चाहे वह आध्यात्मिक की सेवा हो या भौतिक सेवा मैं पूरे जीवन गुरुदेव भगवान के नक्शे कदम पर चलते हुए सेवा करता रहूंगा। श्रद्धांजलि सभा में आए संतों का स्वागत महंत सियाराम दास और बाल व्यास सुमन जी महाराज ने किया। इस अवसर पर वेद मंदिर के महंत रामनरेश दास, रामायणी गोवर्धन दास सहित सैकड़ो संतों महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और विशाल भंडारे में प्रसाद पाया।

बेटे की चाह छोड़ी, बेटी को ही बनाया आईएएस अफसर, कारोबारी ने पूरा किया संकल्प

संवाददाता—गोण्डा। बेटे की चाह में लोग क्या नहीं कर जाते। यह भी होता है कि बेटे की चाह में कई बेटियों का जन्म होता है और परिवार को उनके खर्च को लेकर मुफलिसी के दौर से गुजरना पड़ता है। गोण्डा जिले के एक कारोबारी आदित्य पाल और उनकी शिक्षक पत्नी ने बेटे की चाह छोडकर समाज को नया संदेश दिया। अपनी बेटी के सपने को एक बेटे की तरह पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनकी दो बेटियां वैष्णवी और भव्या है। बेटियों को प्यार और दुलार किसी बेटे से कम नहीं करते।

कारोबारी आदित्य पाल के पिता राजेन्द्र पाल पहले होटल व्यवसाय से जुड़े थे। आदित्य पाल अपनी बेटियों को इतना मानते हैं कि एक और कारोबार का नाम दोनों बेटियों के नाम को जोड़कर बनाया। दोनों बेटियों वैष्णवी का पहला अंग्रेजी अक्षर वी और भव्या के आगे अक्षर बी को मिलाकर वीबी इंटरप्राइजेज के नाम से पेंट का कारोबार शुरू किया। कारोबारी आदित्य और उनकी धर्मपत्नी यह संकल्प ले चुके थे कि बेटे की चाह छोडकर अब इन बेटियों को उनके सपनों के मुकाम तक पहुंचाना है। आदित्य पाल कहते हैं इस दौर में कौन, किसने क्या कहा, इसकी जरा भी उन्होंने परवाह नहीं की। बस अपने संकल्प की ओर बेटी को उसके मुकाम तक पहुंचाने की कोशिशों में लगे रहे। दशकों तक जिंदगी तमाम उतार चढ़ाव के दौर से गुजरती रही। उन्होंने बताया कि एक बार तो उनका होटल कारोबार पूरी तरह से मंद पड़ गया।

दूसरा कारोबार करने की पहल करनी पड़ी। वहीं धर्मपत्नी रचना पाल मुख्यालय के एक प्रतिष्ठित कान्वेंट कालेज में शिक्षिका बन गई। अब बेटियों को उसी कालेज में शिक्षा भी चलने लगी और घर का कामकाज देखती। वहीं, आदित्य अपने कारोबार से जुड़ने के साथ व्यापारियों के संगठन से जुड़ गए और लोगों ने उन्हें नेता बना दिया। उस वक्त पंडित श्याम बिहारी मिश्र और बनवारी लाल कंछल के व्यापारी संगठन उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष बना दिए गए। वयोवृद्ध व्यापारी नेता राम सिंह कहते हैं कि ईमानदारी, जज्बे और सैद्धांतिक रूप से लोगों की समस्याएं सुनने और उनका निस्तारण कराने में व्यापारी नेता आदित्य पाल की जिंदगी में कई बार उतार चढ़ाव आए और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने बेटियों की उच्च शिक्षा को लेकर चिंतित रहते। आखिरकार बड़ी बेटी वैष्णवी पाल ने दिल्ली में जेएनयू से स्नातक डिग्री करने के बाद प्रतियोगी परीक्षा की तैयारियों के साथ वर्ष 2022 में आईएएस में चयनित हुई। बीते वर्ष बैचमेट आईएएस हिमांशु मंगल को जीवनसाथी बनाने के साथ दोनों परिवार में खुशी हैं। वहीं वर—बधू दो आईएएस मिलने से परिवार गर्व महसूस कर रहा है। फिलवक्त दोनों तमिलनाडु में पोस्टेड हैं। वहीं दूसरी बेटी भव्या पाल भी सिविल सर्विसेज की तैयारियों में जुटी है।

महज डेढ़ दशक पहले जिन मुश्किलों और परिस्थितियों का कारोबारी आदित्य पाल ने सामना कर परिवार को लेकर आगे बढ़े। परिवार में बेटी वैष्णवी पाल के आईएएस बनने के साथ जिंदगी खुशहाल हो गई। उसकी शादी के बाद तो परिवार में दो आईएएस अफसर होने से समाज व शुभचिंतको में खुशी की लहर दौड़ गई है।

ट्रक व डीसीएम की भिडंत, डीसीएम चालक की मौत

संवाददाता—गोण्डा। कोतवाली नानपारा के नानपारा—लखीमपुर हाईवे पर नन्हुजोत मोड के पास रविवार की सुबह डीसीएम व ट्रक की जोरदार भिडंत हो गई। हादसे में दोनो वाहनों के परखच्चे उड़ गए और डीसीएम चालक बागपत जिले के बस्ती निवासी युसुफ खान (48) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं डीसीएम के खलासी मेरठ निवासी बाबू (45) गंभीर रूप से घायल हो गए।

ठगी के मामले में नहीं हुई कार्रवाई तो घर पर आमरण अनशन शुरू

संवाददाता—महराजगंज। परसामलिक क्षेत्र के ग्राम गंगवलिया में एक परिवार अपने घर पर ही अनशन पर बैठ गया है। परिजनों का कहना है कि विदेश भेजने के नाम पर डेढ़ लाख की ठगी हुई है। आरोप लगाया कि इस मामले में पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। इससे मजबूरी में उन लोगों ने आमरण अनशन शुरू करने का फैसला लिया। अनशन शुरू होने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लगती रही। ग्राम पंचायत गंगवलिया निवासी गनेश यादव ने एक माह पूर्व स्थानीय पुलिस को लिखित शिकायती पत्र देकर गांव के ही दो लोगों पर विदेश भेजने के नाम पर डेढ़ लाख रुपये ठगी करने का आरोप लगाया था। मामले में कार्रवाई न होने पर उसने उपजिलाधिकारी नौतनवा को लिखित शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की थी। इतना ही नहीं कार्यवाही नहीं होने पर 11 जनवरी से सपरिवार आमरण अनशन पर बैठने की चेतावनी दी थी। पीड़ित के अनुसार इसके बाद भी काफी समय बीत गया, लेकिन उसकी कहीं सुनवाई नहीं हुई। मजबूरन उसने अपने परिवार के साथ शनिवार को अपने घर पर ही अनशन शुरू कर दिया। पीड़ित का कहना रहा कि मामले में जब तक कोई कार्रवाई नहीं हो जाती, तब तक आमरण अनशन व भूख हड़ताल चलती रहेगी।

काव्य गोष्ठी में कवि धुवदेव मिश्र पाषाण को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता—देवरिया। नागरी प्रचारिणी सभा में मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें प्रगतिशील चेतना के कवि ध्रुवदेव मिश्र पाषाण की स्मृति कवियों ने काव्य पाठ किया। कवि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। गोष्ठी की अध्यक्षता गीतकार दयाशंकर कुशवाहा ने की। महिला पीजी कालेज के प्राचार्य से सेवानिवृत्त डॉ. दिवाकर प्रसाद तिवारी ने अपनी कविता के हमारे बाद भी बहारें होंगी न जाने हम कहां होंगे..., के माध्यम से स्वर्गीय ध्रुवदेव मिश्र पाषाण को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किया। किसान नेता शिवाजी राय ने कहा कि पाषाण जी आम जन के कवि थे। इन्द्र कुमार दीक्षित ने उन्हें सरल सहज हृदय का श्रेष्ठ रचनाकार बताया। सरोज कुमार पाण्डेय ने कहा कि वे प्रेम के कवि थे। सभा के मंत्री डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी ने कहा कि पाषाण जी से मुझे वही स्नेह मिलता था जो कभी अपने पिता और दादा से मिला है। इसके बाद काव्य गोष्ठी हुई। इसमें रमेश सिंह दीपक, दयाशंकर कुशवाहा, विकास तिवारी विक्की, विनय कुमार पाठक, कौशल किशोर मणि, लालता प्रसाद चौधरी, पार्वती देवी गौरा, संगलदीप मिश्र, योगेन्द्र तिवारी योगी, सुनीता सिंह, अन्टू तिवारी, कीर्ति त्रिपाठी, अंजलि अरोड़ा खुशबू, एमपी गौड़ ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। अंत में ध्रुवदेव मिश्र पाषाण व दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. माता प्रसाद त्रिपाठी के शोक में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गयी। श्रद्धांजलि सभा में रवीन्द्रनाथ तिवारी, ऋषिकेश मिश्र, राधेश्याम शुक्ल, बृजेश पाण्डेय, रमेश चन्द्र त्रिपाठी, श्वेतांक करण त्रिपाठी, आचार्य प्रमोद मणि त्रिपाठी, रामनिवास पांडेय, दुर्गेश यादव, संगलदीप मिश्र आदि उपस्थित रहे।

विश्व हिंदी दिवस पर रामनगरी में आयोजित हुई गोष्ठी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या।हिंदी फिल्मों के सुमधुर संगीत,वैश्विक मजबूरियां,व राम कथा ने हिंदी को विश्व व्यापी विस्तार करने मेंअपनीअहम भूमिका निभाई,उक्त उद्गार आज यहां अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोधा संस्थान (तुलसी स्मारक भवन) अयोध्या में हिंदी प्रचार प्रसार सेवा संस्थान द्वारा विश्व हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए अपरआयुक्त प्रशासनश्रीअजय कांत सैनी ने व्यक्त किया।अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संबोधित करते हुए वेद भाष्यकार डॉव देवी सहाय दीप ने कहा कि मातृभाषा हिंदी अपने सुमधुर पद लालित्य एवं मृदुलता की वजह से विश्व व्यापी स्वरूप हासिल कियास विशिष्ट अतिथि के रूप में संत मिथिला बिहारी दास जी महाराज ने कहा कि हिंदी राम कथा में संत तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरितमानस की वजह से विश्व प्रसिद्ध हुई!विशिष्टअतिथि के रूप में बोलते हुए मित्र मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष व समाजसेवी शरद पाठक बाबा ने कहा कि हिंदी को जब तक राष्ट्रभाषा नहीं घोषित किया जाता तब तक वह अपना वास्तविक स्वरूप नहीं प्राप्त कर सकतीस मुख्य वक्ता के रूप बोलते हुए एस.आइ.समाज सेवी,साहित्य कार रणजीत यादव ने कहा कि हिंदी की समृद्धता उसके अपनत्वमई भाषा स्वभाव के कारण ही आज संपूर्ण विश्व में दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा के रूप में विख्यात होगई हैस समारोह में काव्योत्सव का भीआयोजन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से आशु कवि अशोक टाटम्बरी,मासूम लखनवी,डावपूनम सिंह, अनुपमा तिवारी,दीपिका दिवेदी, मनीष मौर्य सरस जी,कामेश मणि पाठक,मुजम्मिल फिदा हुसैन सहित तमाम कवियों ने अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से शमाँ बांधा स समारोह का संचालन करते हुए हिंदी संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री डॉवसम्राट अशोक मौर्य ने कहा कि हिंदी के समृद्ध हुए बगैर हमारी संस्कृति और सभ्यता समृद्ध नहीं हो सकती उक्त अवसर पर उन्होंने आए हुए समस्त साहित्य प्रेमियों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के इसआंदोलन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की अपील कीस उक्त अवसर पर समारोह को संबोधित करने वाले प्रमुख साहित्य प्रेमियों में संस्थान की राष्ट्रीय सचिव आचार्य शशि मौर्य,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विंध्यवासिनीशरण पांडिया,संरक्षक मंडल सदस्य अनिरुद्ध प्रसाद शुक्ल,रामकेर सिंह,प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह ष्वत्स,ष्प्रदेश महामंत्री डॉ0एस.पी.द्विवेदी,मंडल अध्यक्ष डावसोनी शर्मा,मंडलीय प्रभारी डॉवअनुराधा मौर्य, जिला अध्यक्ष अजय मौर्या, गुड़िया त्रिपाठी,परमजीत कौर,डाव जनार्दन उपाध्याय, भानु प्रताप सिंह,आकाश सोनी,डावआशीष पांडेय, सविता यादव, नरेंद्र पाठक,पत्रकार रूबी सोनी,डावसर्वेश जीआदि रहेससमारोह में उपस्थित रहने वाले प्रमुख साहित्य प्रेमियों में पप्पी सिंह,विनय मौर्य,दुर्गेश मौर्य,केशव राम मौर्य,शुभी पांडेय, शिवम सिंह,राष्ट्र कुंवर मौर्य,सूर्य नारायण सिंह,बब्लू, शीलाद्विवेदी, प्रियाश्री वास्तव,परमिंदर कौर,आचर्य स्कन्द दास, अजय कुमार अज्जू,महंत दिनेश दास,राम जी कुशवाहा, अंजू सिंह रघुवंशी, सुमन सिंह, रघुवंशी, परमानंद दास,जल पुलिस प्रभारी रुबेप्रताप मौर्य, नित्यानंद यादव,ओम प्रकाश नाहर, ओम प्रकाश सैनी,संजय यादव,दयाराम मौर्य,बसंत राम,लक्ष्मी पांडेय,नीलम सिंह, नीलम श्रीवास्त्व,आकाश गुप्ता, डाव राम करन सिंह कुशवाहा, महेंद्र उपाध्याय,बी.एस. लाठी, पवन पांडेय, डावसम्राट श्री कृष्ण मनमोहन मौर्य, अधिवक्ता अशोक पांडेय,केतकी निषाद,बृजेंद्र श्रीवास्तव,इतिप्रकाश मौर्य,आर.डी. वर्मा,आदि रहे।

ई—रिक्शा व ट्रैक्टर—ट्राली की टक्कर, एक की मौत

संवाददाता—बहराइच। थाना क्षेत्र के कदियापुर गांव के पास शनिवार की रात ट्रैक्टर—ट्राली ने सामने से आ रहे ई—रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में ई रिक्शा फखरपुर थाना क्षेत्र के माधवपुर निवासी शिवकुमार शुक्ला(50) व मोहम्मदपुर गांव निवासी ई—रिक्शा चालक वीरेंद्र गुप्ता (26) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी सूरज राणा ने सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी फखरपुर पहुंचाया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने दोनो को मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान शिवकुमार शुक्ला की मौत हो गई। मृतक शिवकुमार शुक्ला कपड़े का व्यवसाय करते थे। थाना प्रभारी सूरज कुमार राणा ने बताया कि ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गोरखपुर महोत्सव 2025: सीएम योगी ने किया सांकेतिक समापन– नव रत्न से पांच विभूतियों को किया सम्मानित

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम योगी ने रविवार दोपहर में गोरखपुर महोत्सव 2025 के औपचारिक समापन समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक 45 दिन का भव्य आयोजन सोमवार से शुरू हो रहा है। 40 करोड़ आबादी महाकुंभ में आएगी। 40 करोड़ की आबादी दुनिया के अंदर भारत और चीन के अलावा किसी भी देश में नहीं है। मां गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी के संगम में स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। सीएम ने कहा कि पहली बार महाकुंभ को लेकर अक्षय वट कॉरिडोर, मां सरस्वती, बड़े हनुमान मंदिर, महर्षि व्यास और भगवान राम और निषादराज कॉरिडोर बन गया है। यहां नाग वासुकी और द्वादश ज्योतिर्लिंग और चार धाम की यात्रा का आनंद विप्रिका के माध्यम श्रद्धालु कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि महाकुंभ का आयोजन 10 हजार एकड़ क्षेत्रफल में हो रहा है। शुक्रवार की रात तक ही 35 लाख श्रद्धालु पहुंच गए थे। उन्होंने जनमानस से अपील की कि मकर संक्रांति पर बाबा गोरखनाथ में खिचड़ी चढ़ाइए और फिर सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को समझने के लिए महाकुंभ जरूर जाइए। उन्होंने कहा कि कि 29 जनवरी को 144 वर्ष बाद विशिष्ट संयोग बन रहा है, जब भगवान सूर्य मकर राशि में होंगे। बृहस्पति वृष राशि में होंगे। विशिष्ट मूहूर्त पर प्रयागराज में मौनी अमावस्या स्नान का शुभारंभ होगा। सीएम योगी ने कहा कि यह याद रखना होगा कि संस्कृति के अभाव में कोई राष्ट्र लम्बे समय तक अपनी जीवन गाथा को आगे नही बढ़ा सकता। लोक गाथा, लोक परम्परा राष्ट्र की संजीवनी होती है। लोक परम्परा, लोक गाथाओं, लोक गायन, लोक कलाकारों को इस प्रकार के कार्यक्रम और महोत्सव के माध्यम से एक प्लेटफार्म प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य स्थानीय नौजवानों, कलाकारों, कलाकृतियों, किसानों और उद्यमियों तथ समाज के लिए कुछ योगदान किया है उनको प्रोत्साहित करना, उनको मंच उपलब्ध कराना, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है और इस दृष्टिकोण से गोरखपुर महोत्सव एवं ऊंचाइयों को छू रहा है। गोरखपुर महोत्सव के विविध आयामों की सराहना करते हुए सीएम ने कहा कि टेराकोटा, शहद उत्पादन को देखना है तो महोत्सव में जरूर आइएं। नेशनल बुक फेयर का आयोजन पहली बार इतने बड़े स्तर पर किया गया है। युवा किताबों को जरूर खरीदें और अपने दोस्तों को गिफ्ट करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और साहित्यिक विरासत से समृद्ध है। गोरखपुर नाम से ही पता लग जाता है कि महायोगी भगवान गोरखनाथ की पावन साधना स्थली भी है। गोरखपुर भारत की धार्मिक और आध्यात्मिक परम्परा की एक महत्वपूर्ण भूमि है। गीताप्रेस के माध्यम से भारत की धार्मिक साहित्य का एक प्रमुख केन्द्र भी है। गोरखपुर के पास ही कुशीनगर भगवान बुद्ध की महानिर्वाण स्थली तथा सूफी संत कबीरदास की महानिर्वाण निर्वाण स्थली मगहर भी है। अपनी लेखनी के माध्यम से कथा सम्राट के रूप में विख्यात मुंशी प्रेमचंद ने गोरखपुर को अपनी कर्मस्थली बनाया था। गोरखपुर फिराक गोरखपुर की जन्मभूमि है तो वैश्विक मंच पर भारत की आध्यात्मिक विरासत को स्थापित करने वाले योगानंद परमहंस ने भी इसी गोरखपुर में जन्म लिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश हुकूमत की चूलों को हिलाने वाले शहीद बंधु सिंह की जन्म और कर्म भूमि भी गोरखपुर है। इसी गोरखपुर की जेल में काकोरी ट्रेन एक्शन के नायक अमर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को फांसी की सजा दी गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विरासत से संपन्न गोरखपुर आज विकास के भी नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। सरकार विकास करा रही है, उस विकास की यात्रा के साथ सहभागी बनना हम सबका दायित्व बनता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज 12 जनवरी है। 12 जनवरी वैश्विक मंच पर भरत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक छवि को, आध्यात्मिक विरासत को, सनातन धर्म की वैदिक परम्पराओं को स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती भी है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया और साथ ही सभी लोगों को मकर संक्रांति व प्रयागराज महाकुंभ की शुभकामनाएं दीं। गोरखपुर महोत्सव के मुख्य मंच से सीएम योगी ने पांच विभूतियों को गोरखपुर रत्न से सम्मानित किया। कल के क्षेत्र में वरिष्ठ रंगकर्मी केसी सेन, कृषि–उद्यमिता के क्षेत्र में प्रगतिशील किसान और शहद उत्पादक राजू सिंह, खेल के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी शगुन कुमारी, चिकित्सा के क्षेत्र में वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. बी. बी. त्रिपाठी और विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. साहिल महफूज को गोरखपुर रत्न सम्मान प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने इन विभूतियों के अपने अपने क्षेत्र में दिए गए योगदान की सराहना की।

गोरखपुर महोत्सव के औपचारिक समापन समारोह को सांसद रविकिशन शुक्ल ने भी संबोधित किया। स्वागत संबोधन में गोरखपुर महोत्सव समिति के अध्यक्ष एवं मंडलायुक्त अनिल ढींगरा ने आयोजन की सविस्तार जानकारी दी। इस अवसर पर राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, विपिन सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि भी उपस्थित रहे। गोरखपुर महोत्सव के औपचारिक समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुपरिचित गायक, इंदौर मध्य प्रदेश से आए सुधीर व्यास के गाए सुमधुर भजनों का आनंद उठाया।

तेज हवाओं– बूंदा–बांदी से बढ़ी ठंड

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में अचानक मौसम ने करवट ले ली है। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए हुए हैं और तेज ठंडी हवाओं ने सर्दी का असर और बढ़ा दिया है। रिमझिम बारिश ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया है। बीते दो दिनों से धूप निकलने के कारण ठंड में कमी महसूस हुई।

तय हो गई प्रेमिका की शादी, जान देने के लिए चढ़ गया टावर पर

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा के देवकहिया में प्रेमिका की शादी तय होने पर नाराज होकर एक युवक मोबाइल फोन के टावर पर चढ़ गया। तीन घंटे तक वह ड्रामा करता रहा। इस दौरान पुलिस को उसे नीचे उतारने में मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस के शादी करने का आश्वासन पर वह नीचे उतरा। युवक की पहचान देवरिया के रामपुर कारखाना क्षेत्र के दुसरी गांव निवासी सूरज भारती के रूप में हुई। पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई।

डिप्टी सीएम ने मिल्कीपुर उपचुनाव और एचएमपीवी वायरस को लेकर किया बड़ा दावा

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में रविवार को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक पहुंचे। यहां उन्होंने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर आयोजित प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह में भाग लिया और रामलला का दर्शन पूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने मिल्कीपुर उपचुनाव और देश में तेजी के साथ फैल रहे एचएमपीवी वायरस को लेकर बड़ा दावा किया।

उन्होंने मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी के प्रचंड जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी भारी मतों से मिल्कीपुर का उपचुनाव जीतेगा। इसके साथ ही देश में तेजी के साथ फैल रहे एचएमपीवी वायरस को लेकर कहा कि यह हल्का वायरस है जो मामूली जुकाम के साथ तीन दिन में समाप्त हो जा रहा है।

उन्होंने कहा कि रामलला के भव्य मंदिर में लोकार्पण के उपरांत एक वर्ष पूरा हो चुका है। ऐसे शुभ अवसर पर अयोध्या से देश और प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देता हूं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी को भी आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राम मंदिर को भव्यता प्रदान हुई। प्रधानमंत्री के लिए देश और दुनिया के रामभक्त आभार प्रकट कर रहे हैं। महाकुंभ की तैयारी को लेकर कहा कि कल ही हम लोगों ने महाकुंभ की समीक्षा बैठक की है। बहुत अच्छी तैयारी है। अलौकिक दिव्य और भव्य महाकुंभ होने जा रहा है।

अनुराधा पौडवाल ने की तारीफ, बोलीं – मुख्यमंत्री योगी के कारण बदली अयोध्या

संवाददाता–अयोध्या। प्रख्यात गायिका अनुराधा पौडवाल और उनकी पुत्री कविता पौडवाल अयोध्या पहुंचीं। यहां भगवान रामलला के प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह में भगवान के सामने भजन की प्रस्तुति करेंगी। राग सेवा में भाग लेंगी और अंगद टीला पर आयोजित कार्यक्रम में भी भजन सुनाएंगी। अनुराधा पौडवाल और उनकी पुत्री कविता पौडवाल ने अयोध्या में भगवान के सामने अपने कार्यक्रम की प्रस्तुति को लेकर खुद को सौभाग्यशाली बताया। अनुराधा पौडवाल ने कहा कि एक वर्ष पहले भी रामलला की कृपा मिली थी। पूरी देश और दुनिया से रामभक्त अयोध्या पहुंचे हैं। सबको मैं प्रतिष्ठा द्वादशी के लिए शुभकामनाएं देती हूं। रामलला के सामने आज हम गीत प्रस्तुत करेंगे, भजन गाएंगे। प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर पिछले वर्ष भगवान के सामने हमने प्रस्तुति की थी आज फिर मौका मिला है। अयोध्या के बदलते स्वरूप को लेकर कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बहुत उम्मीद है। आज यहां हर जगह जो सुविधा है योगी जी उसके लिए अग्रसर हैं। बहुत अच्छा काम मुख्यमंत्री के तौर पर योगी आदित्यनाथ ने किया है।

भोजपुरी नाइट में बेकाबू हुई भीड़, पुलिस ने लाठियां पटकीं तो रविकिशन ने संभाली बात

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को भोजपुरी नाइट शो ने महफिल लूट ली। इस दौरान सिंगर रीतेश पांडेय के जा ये चन्दा... गाने पर अचानक भीड़ बेकाबू हो गई। उसे काबू में करने के लिए पुलिस को लाठियां भांजी। इससे कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति हो गई। फिर स्टेज से सांसद ने सबको शांत कराया। इसके बाद माहौल सामान्य हुआ।

इसके पहले भोजपुरी के मशहूर लोक गायक रीतेश पांडेय और राधा श्रीवास्तव की प्रस्तुति ने माहौल को भोजपुरी के रंग में रंग दिया। राधा ने बालेश्वर की स्टाइल में भोजपुरी गीतों की प्रस्तुति से ऐसा माहौला बांधा कि पूरा पांडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इन सबके बीच रीतेश ने सांसद रवि किशन के साथ अपने गीतों से माहौल में चार चांद लगा दिए। आकाश दुबे और शिवानी सिंह को मौका मिला तो उन्होंने अपनी प्रस्तुति से लोगों को नचा दिया। भोजपुरी नाइट की कमान सबसे पहले राधा ने संभाली। शुरुआत बजरंग बली के चरणों में शीश नवाकर की। उसके बाद अपने लोकप्रिय गीत 'निक लागे टिकुलिया' की शुरुआत की। सबसे प्रसिद्ध गीत 'चटनिया ये सईया हमर सिलवट पर पीसी' को जैसे ही गाया वहां मौजूद हुजूम खुशी से झूम उठी। इसके उन्होंने 'काहे जलेबी के तरसे गोरकी बड़ा मजा रसगुल्ला में' सुनाया तो लोग हाथ उठाकर उनका साथ देने लगे। राधा के बाद कुछ देर के लिए इंडियन आइडियल में स्थान बनाने वाले गोरखपुर के कलाकार आकाश दुबे मंच पर आए और कुछ ही गीतों की प्रस्तुति से पूरे महफिल में छा गया। इन सबके बीच सांसद रवि किशन ने रीतेश को मंच पर बुलाया। रीतेश ने पहले भजन सुनाया फिर लोकगीत सुनाना शुरू किया।

उन्होंने जैसे ही 'गोरी तोरी चुनरी बा लाल–लाल रे' सुनाया लोग खुशी से झूम उठे। इसके बाद 'दिल दिया है जां भी देंगे' सुनाकर महोत्सव की सुरक्षा में लगे जवानों की हौसला अफजाई की। उन्होंने 'ओम नम शिवाय' व 'भोला बाबा बम भोला बाबा' भजन की प्रस्तुति से महोत्सव को महादेव की भक्ति में रंग दिया। जाते–जाते अपना मशहूर गीत 'जा ये चंदा ले जा खबरिया' सुनाकर माहौल को गमगीन कर दिया। जब शिवानी सिंह को मंच मिला तो उन्होंने लोकगीतों के माध्यम से माहौल को शानदार बना दिया। रहा है।' सांसद रविकिशन की इन बातों से थोड़ी देर में इधर–उधर दौड़ते लोग अपनी जगह पर रुक गए और स्थिति सामान्य हो गई।

गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में चल रहे गोरखपुर महोत्सव में देर रात गायक रितेश पांडेय का शो चल रहा था। सांसद और अभिनेता रवि किशन भी दर्शकों का उत्साह बढ़ाने के लिए स्टेज पर थे। देर रात जा ये चंदा... पर भीड़ बेकाबू होकर कूदने लगी। उसे शांत करने के लिए पुलिस ने लाठियां भांजी। इससे कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति हो गई। फिर स्टेज से सांसद ने सबको शांत कराया। इसके बाद माहौल सामान्य हुआ।

शादी से किया इंकार, प्रेमी ने गले पर किया चाकू से वार, युवती बोली- जिंदगी कर दी बर्बाद

संवाददाता–गोरखपुर। बांसगांव थाना क्षेत्र के कौड़ीराम कस्बे में सटे एक गांव में शादी से इनकार करने पर युवती ने प्रेमी का गला रेत दिया। सूचना पर डायल 112 की पुलिस भी पहुंच गई और घायल अवस्था में युवक को एंबुलेंस से सीएचसी पर पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों पक्ष बांसगांव थाने पहुंचे। युवती और युवक दोनों ही एक दूसरे पर आरोप लगाते रहे। दोनों तरफ से तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस ने समझाकर उन्हें घर भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, कौड़ीराम इलाके के एक गांव में दो अलग–अलग समुदाय के युवक–युवती के बीच प्रेम संबंध चल रहा था। युवक कुछ दिन पहले कमाने के लिए बाहर चला गया था। कुछ दिन पहले ही गांव वापस आया। इस दौरान युवती शादी का दबाव बनाने लगी। शनिवार भोर में दोनों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान युवती ने युवक के गले पर चाकू से वार कर दिया। युवक का आरोप है कि शादी के लिए इनकार करने पर युवती ने चाकू से हमला किया है। वहीं युवती का कहना था कि युवक खुद से घायल हो गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष बांसगांव प्रेमपाल सिंह ने बताया कि चाकू से हमले जैसी कोई घटना नहीं हुई है। मामला प्रेम प्रसंग का है, इसके चलते मारपीट हुई है। किसी भी पक्ष ने तहरीर नहीं दी है। इसलिए केस दर्ज नहीं हुआ है। इसको लेकर गांव में दिन भर चर्चा होती रही। घटना के बाद युवती बहुत आहत है। युवती ने कहा कि कई साल से युवक से दोस्ती है। वह शादी का झांसा देकर संबंध भी बना चुका है। बाहर काम करने गया था, तब बोला था कि वापस आकर शादी करूंगा। अब शादी से इनकार कर रहा है। जहां काम करता है, वहां पर उसका किसी अन्य लड़की से चक्कर हो गया है। मेरी जिंदगी बर्बाद करके वह उस लड़की के साथ भी यहीं करेगा।

गोरखपुर में 15 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में शीतलहर और कड़ाके की ठंड के चलते जिला प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टियां 15 जनवरी तक बढ़ा दी हैं। इस बार कक्षा 8वीं तक ही नहीं, बल्कि इंटरमीडिएट तक के सभी स्कूल बंद रहेंगे। डीएम कृष्णा करुणेश ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह आदेश जारी किया है।

समाज को तोड़ने वाले सुन लें महाकुंभ का यही संदेश एक रहेगा भारत देश -सुधांशु त्रिवेदी

संवाददाता–अयोध्या। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जो लोग आज समाज को तोड़ने की बात कर रहे हैं उन्हें देखना चाहिए कि महाकुंभ में जाने वाले लोगों से क्या पहचान पूछी जा रही है? महाकुंभ का यही संदेश एक रहेगा भारत देश। उन्होंने कहा कि गंगा की अविरल धारा न बंटे समाज हमारा।

सुधांशु त्रिवेदी प्रतिष्ठा द्वादशी के आयोजन में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 500 साल के बाद यह मौका आया था जब प्रभु श्रीराम अपने मंदिर में विराजमान हुए। अब इस पावन अवसर की वर्षगांठ मनाई जा रही है जिस तरह से हमारा देश तरक्की कर रहा है उससे यही कहा जा सकता है कि प्रभु श्रीराम सिर्फ अपने आवास में नहीं आए हैं बल्कि देश के गरीबों के लिए 4 करोड़ आवास लेकर आए हैं। विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। देश को 74 नए एयरपोर्ट मिले हैं। 450 नए विश्वविद्यालय मिले हैं और 300 नए मेडिकल कॉलेज मिले हैं। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के साथ ही अबूधाबी में भी मंदिर का निर्माण हुआ है। इसके साथ ही भारत और मध्य पूर्व कॉरिडोर भी बनाया जा रहा है। इस मौके पर उन्होंने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा और कहा कि कई राजनीतिक दल थे जो कि चाहते थे कि राम मंदिर न बने पर उन्हें भी आज ये सच स्वीकार करना पड़ रहा है। जनता सब जानती है कि कौन वास्तविकता में साधु संत है और कौन साधु का वेश धरकर घूम रहा है।

महाकुंभ एवं खिचड़ी मेला को देखते हुए एस, जीआरपी ने दिया सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश

संवाददाता–गोरखपुर। महाकुंभ 25 एवं खिचड़ी मेला को देखते हुए रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों एवं स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में सुरक्षा के कड़े इंतजाम होंगे। जीआरपी के एसपी संदीप कुमार मीना ने आरपीएफ व जिला पुलिस के साथ गोरखपुर जंक्शन, नकहा, डोमिनगढ़ स्टेशनों एवं अस्थाई चौकियों का निरीक्षण किया। एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रेलवे से समन्वय स्थापित कर यह देखा जाए कि महाकुंभ व खिचड़ी मेला को देखते हुए भीड़ के अनुरूप प्लान तैयार किया जाए।

एसपी जीआरपी ने पैदल मार्च कर प्लेटफार्मों सर्कुलेटिंग एरिया, आउटर, पार्किंग, वेटिंग हाल का भ्रमण किया। डोमिनगढ़ से सूरजकुंड क्रासिंग तक पैदल मार्च कर पटरियों के दोनों ओर रहने वाले लोगों से संवाद कर ट्रेनों पर हो रही पत्थरबाजी व मोबाइल चोरी की घटना को लेकर बात की। उसे रोकने के लिए जरूरी दिशा निर्देश भी दिए। एसपी जीआरपी ने कहा कि भीड़भाड़ के समय किसी तरह का अफवाह उड़ाने पर कड़ी कारवाई होगी।अफवाह फैलाने वालों पर उन्होंने कारवाई के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही ट्रेनों पर पत्थरबाजी की घटनाओं और रेलवे ट्रैक अवरोध के मामलों पर गंभीर कारवाई होगी।

एसपी जीआरपी ने कहा कि महाकुंभ एवं खिचड़ी मेला को देखते हुए स्टेशनों पर आने–जाने वालों में महिला श्रद्धालुओं की संख्या भी अधिक रहेगी। महिलाओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। रेलवे के सभी थाना एवं चौकी प्रभारी पर्याप्त महिला पुलिस बल के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करें। ठंड के मौसम को देखते हुए रेलवे प्रशासन, आरपीएफ व सिविल प्रशासन के साथ समन्वय बनाया जाए। लोगों की सुविधा के लिए पूछताछ केंद्र बनाए जाएं।

उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर चल रहे निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां निर्माण कार्य हो रहा है, वहां सकेंतक लगाए जाएं, जिससे लोग इस बात की जानकारी पा सकें कि कहां निर्माण चल रहा है।एसपी जीआरपी ने कहा कि भीड़ को देखते हुए स्टेशनों पर वैकल्पिक काउंटर खोलने, सीसीटीवी के लिए रेलवे से समन्वय बनाने का निर्देश दिया।

राष्ट्र धर्म ही सबके लिए सर्वोपरि होना चाहिए, गर्व से कहो हम हिंदू हैं – योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने उस कालखंड में जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, वैश्विक पटल पर सनातन वैदिक संस्कृति को प्रभावी ढंग से प्रतिष्ठित किया। इस युवा सन्यासी ने अपने विचारों और आचरण की सामत्या से राष्ट्र के प्रति चेतना जागृत करने के बड़ी भूमिका निभाई है। गुलामी के कालखंड में सनातन वैदिक मूल्यों की चर्चा दुरुह होने के बावजूद स्वामी विवेकानंद ने 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' का उद्घोष किया।

सीएम योगी रविवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस नगर कॉलोनी में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती 'युवा दिवस' के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद विद्यालय के पूर्व छात्रों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

विद्यालय के रज्जू भैया सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद जयंती पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि महज 42 वर्ष की उम्र में नश्वर काया को छोड़ देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव भारत और भारतीयता की बात की। उनकी जयंती पर आज पूरा देश उन्हें भारत माता के महान सपूत और राष्ट्रीय–आध्यात्मिक गुरु के रूप में याद कर उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शिकागो समिट में जब भारतीय सनातन मूल्यों को वैश्विक मंच पर रखा तो उनके वक्तव्य को सुनकर दुनिया मंत्रमुग्ध और भाव विभोर हो गई। कहा, स्वामी विवेकानंद ने सबको जागरूक करते हुए कहा था कि सनातन धर्म सबसे प्राचीन धर्म है। हर भारतवासी को इस पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। उनकी शिक्षा है कि हम सबका एक ही धर्म होना चाहिए, राष्ट्रधर्म। उन्होंने कहा कि भारत ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का अनुसरण किया तो देश को आजाद होने में समय नहीं लगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्वामी विवेकानंद का नाम सभी लोग लेते हैं, लेकिन हिंदुत्व का उद्घोष करने वाले सन्यासी को वामपंथी कैसे स्वीकार करते।

स्वामी विवेकानंद के विचारों को सरस्वती शिशु मंदिरों ने हमेशा की अंगीकार किया। स्वामी जी के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए देशभर में सरस्वती शिशु मंदिरों की लंबी श्रृंखला है। सीएम योगी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का मानना था कि चुनौती जितनी कठिन होगी, उसके अनुरूप परिश्रम करने पर जीत और शानदार होगी। उनके अनुसार परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता है। स्वामी जी के आदर्शों पर चलकर कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए भारत आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गया है और तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

इससे प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी, शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर के नए दौर की शुरुआत होगी। भारत वैश्विक टेक्नोलॉजी का हब बनेगा। देश में हर चेहरे पर खुशहाली होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वामी जी के आदर्शों के अनुरूप युवाओं को समय के अनुकूल सक्षम बनाने के लिए स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 2 करोड़ युवाओं को टैबलेट–स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के अनुरूप शिक्षा देने और राष्ट्रीयता का भाव जागृत करने के लिए सरस्वती शिशु मंदिर की शुरुआत नानाजी देशमुख ने गोरखपुर से की थी। उन्होंने कहा कि आज इन शिक्षा मंदिरों के जरिये जनजातीय क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। यदि इन कार्यों को तत्कालीन सरकारों ने समय रहते किया होता तो आज वहां अराजकता की यह स्थिति नहीं होती। मुख्यमंत्री ने बताया कि ओज नानाजी देशमुख के नाम पर एक पार्क का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि नानाजी देशमुख ने ग्रामीण विकास और वनवासी क्षेत्रों के विकास का जो मॉडल दिया है, वह आज भी अनुकरणीय है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हस्तलिखित दो पत्रिकाओं का विमोचन भी किया तथा मां दुर्गा पर केंद्रित एक भावपूर्ण नृत्य नाटिका का अवलोकन कर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र पांडेय, आभार ज्ञापन पूर्व छात्र परिषद के मंत्री शिव शंकर तिवारी ने तथा संचालन विद्यालय में हिंदी के प्रवक्ता व्यास कुमार श्रीवास्तव ने किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक रमेश, सांसद रविकिशन शुक्ल, विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचंद्र, डॉ. महेंद्र अग्रवाल, सरस्वती शिशु मंदिर के मंत्री रामनाथ गुप्ता, प्रदीप कुमार, ओमप्रकाश जालान, सूर्यकांत त्रिपाठी, राम सिंह, विवेक माहेश्वरी, संजय कुमार जायसवाल, डॉ. आमोद कुमार राय, डॉ. अश्वनी कुमार वर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुमी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, रेकटर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ईमेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com